

आज बेबाक

देश की राजधानी नई दिल्ली का बेड़ागर्क करने वाले घुंघरू सेठ की पार्टी को वहां के बाशिंदों ने झाड़ू मारकर साफ कर दिया। अब वहां की दुर्गमी झोपड़ी में बसे इनके वोट बैंक की सफाई की जा रही है और अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों व रोहिंग्याओं के बेजा कब्जे हटायें जा रहे हैं। इससे तिलमिलाए घुंघरू सेठ ने लाखों लोगों से सड़क पर उतरने की अपील की है। उनके मुनीम गोपाल राय ने तो प्रधानमंत्री निवास पर कब्जा करने की धमकी दे दी है। नई दिल्ली को बांग्लादेश बनाने के ख्वाहिशमंद इन बुढ़बको का समुचित इलाज जरूरी है।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट

नई दिल्ली (आईएनएस)। तेलंगाना के संगरेडू में एक फैक्ट्री में हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवारों को प्रधानमंत्री राष्‍ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपए और खायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, तेलंगाना के संगरेडू में एक फैक्ट्री में हुई दुखद आग दुर्घटना से बहुत दुखी हूं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मैं धायलों के शीघ्र स्‍वस्‍थ होने की प्रार्थना करती हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम मोदी के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में बताया, तेलंगाना के संगरेडू में एक फैक्ट्री में आग लगने की घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं।

खड़गे ने विस्फोट पर दुख जताया

नयी दिल्ली (वार्ता) । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना में केमिकल फैक्ट्री में धमाके की खबर पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पीछित परिवजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाके की खबर बेहद दुखद और चिंताजनक है। इस हादसे में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं सभी धायलों के शीघ्र स्‍वस्‍थ होने की कामना करता हूं।

खरीफ की बुआई का रकबा बढ़ा

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश में मौजूदा वर्ष के खरीफ मौसम में धान, श्रीअन्न और दलहन की बुआई का रकबा बढ़ा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां जारी आंकड़ों में बताया कि 27 जून तक देश में बुआई का रकबा 235.44 लाख हेक्‍टेयर से बढ़कर 262.15 लाख हेक्‍टेयर हो गया।

सेना प्रमुख चार दिन की भूटान यात्रा पर रवाना

नयी दिल्ली (वार्ता)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को भूटान रवाना हो गये। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सेना प्रमुख की यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्‍थायी रक्षा सहयोग को और प्रगाढ़ करना है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के दावे को किया खारिज

काबुल (वार्ता)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख असौम मुनीर की उस टिप्पणी को खारिज किया है जिसमें दावा किया था कि पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भारत अफगानिस्तानी क्षेत्र का इस्तेमाल कर रहा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार इस्‍तामिक अमीरात के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फिरतल ने जोर देकर कहा कि कार्यवाहक सरकार, अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्‍तक्षेप न करने की अपनी नीति के आधार पर, किसी को भी किसी देश के खिलाफ कोई कार्रवाई या अभियान चलाने के लिए अपनी भूमि का इस्‍तेमाल करने की अनुमति नहीं देती है।

गरमा - गरम

भारत-अमेरिका में जल्द हो सकती है ट्रेड डील



...शाल, श्रीफल, फिर एक्सटेंशन, और अब राज्य के पहले "रिटर्निंग' चीफ सेक्रेटरी अमिताभ जैन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रशासनिक सेवा में आज एक अनपेक्षित मोड़ आया, जब मुख्य सचिव अमिताभ जैन को भारत सरकार द्वारा तीन महीने का सेवा विस्तार दे दिया गया। यह फैसला उस वक़्त आया, जब राज्यपाल रामेन डेका द्वारा उन्हें शाल और श्रीफल देकर विदाई दी जा चुकी थी और राज्य सरकार उन्हें सम्मानपूर्वक रिटायर मान चुकी थी। अब अमिताभ जैन छत्तीसगढ़ के पहले ऐसे चीफ सेक्रेटरी बन गए हैं, जिन्हें सेवानिवृत्ति के बाद पद पर सेवा

विस्तार मिला है। अमिताभ जैन 1989 बैच के आईएएस अफसर हैं। शांत, मुदुभापी और नीति विशेषज्ञ हैं। वित्त, योजना और उद्योग जैसे अहम विभाग संभाल चुके हैं। पिछली सरकार से ही मुख्य सचिव हैं और अब पिछले डेढ़ साल से साथ सरकार के साथ मुख्य सचिव हैं। केंद्र सरकार ने अंतिम समय में अमिताभ जैन की सर्विस को एक्सटेंशन दिए जाने की मंजूरी दी है। मुख्य सचिव की नियुक्ति पर मची आपाधापी के बीच बड़ी खबर आई



है। अमिताभ जैन को मुख्य सचिव के रूप में एक्सटेंशन दिया गया है। मुख्य सचिव के लिए सुन्नत साहू और मनोज गिंगुआ के नाम पर चर्चा तेज थी। माना जा रहा था कि साथ कैबिनेट की बैठक में अमिताभ जैन की विदाई होगी और नए मुख्य सचिव का स्वागत किया जाएगा। लेकिन आखिरी वक़्त पर के केंद्र से एक्सटेंशन दिए जाने की मंजूरी मिलने की ख़बर आ गई। आज सुबह ही अमिताभ जैन ने राज्यपाल से मुलाक़ात की थी। यह ख़बर बाहर आई कि राज्यपाल ने अमिताभ जैन की सेवा

एक्सटेंशन पाने वाले

पहले मुख्य सचिव

छत्तीसगढ़ के गठन के बाद यह पहला मौका है कि किसी मुख्य सचिव को एक्सटेंशन मिला हो। अमिताभ जैन पहले मुख्य सचिव बन गए हैं जिन्हें केंद्र सरकार ने एक्सटेंशन दिया है।

को लेकर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की थी।

म.प्र. में सीएम यादव के नेतृत्व में जन-भागीदारी से जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-आंदोलन : पीएम मोदी

90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

जन-भागीदारी की शक्ति से जल संरक्षण के प्रयास देश की उन्नति में देंगे योगदान

भारतीय संस्कृति में नदियों-कुओं-तालाबों और बावड़ियों के संरक्षण की रही है परंपरा

प्रधानमंत्री के नेतृत्व और दृष्टि ने जल-संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदला : मुख्यमंत्री डॉ. यादव



भोपाल/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर जारी अपने संदेश में यह बात कही। आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों, विशेषतः जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पानी की एक-एक बूँद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से

हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर जारी अपने संदेश में यह बात कही। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित प्रदेशवासियों को इस सफलता के लिये बधाई भी दी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुीप?वा से आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का सोमवार को खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वॉटर शेड सम्मेलन भी आयोजित किया

गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में 1568 करो? रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करो? लागत के 57207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटर-शेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं 3 अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश की जीणोंद्वार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण

विकास मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावड़ियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। इस विरासत को समृद्ध करते हुए %जल गंगा संवर्धन अभियान% नदियों की निर्मल, अखिल और सद्ानीरा बनाने के लिए जन-जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास रहा है। जन भागीदारी की शक्ति से ऊर्जित यह एक उत्कृष्ट अभियान बना जिसमें मध्यप्रदेश के सामर्थ्यवान व प्रकृति प्रेमी साथियों का योगदान प्रशंसनीय रहा है। जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण में खंडवा की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पर्यावरण के साथ जुड़ाव और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ व सुंदर धरा सुनिश्चित करने का हमारा संकल्प जन-जन के भागीरथ प्रयासों से ही संभव हो पाएगा। इस कड़ी में %वॉटरशेड सम्मेलन% का आयोजन जल संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के अनुभव साझा करने और हर स्तर पर जल अबंधन की रणनीतियों को सशक्त करने का माध्यम बनेगा। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम शेष पृष्ठ 06 पर

रिपोर्ट : भारतीय कंपनियां वैश्विक क्षेत्र में नौ परिवर्तनकारी सेक्टर में बढ़ सकती हैं आगे

नई दिल्ली (आईएनएस)। भारतीय कंपनियां वैश्विक क्षेत्र में नौ परिवर्तनकारी (एआई) सॉफ्टवेयर एंड सर्विस, स्पेस, सेक्टर में विशिष्ट भारतीय क्षमताओं के साथ तेजी से आगे बढ़ सकती हैं और सामूहिक रूप से 2030 तक 588 बिलियन डॉलर से 738 बिलियन डॉलर के बीच राजस्व अर्जित कर सकती हैं। यह जानकारी मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकिन्से एंड कंपनी की एक लैटेस्ट रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह 2023 की तुलना में साढ़े तीन गुना वृद्धि दर्शाता है, जिसे 164-206 बिलियन डॉलर के बीच आंका गया था। विकास का यह इंजन नौ क्षेत्रों से आने की उम्मीद है, जिसमें ई-कॉमर्स, सेमीकंडक्टर, क्लाउड सर्विस, साइबर सिक्योरिटी, इलेक्ट्रिक

व्हीकल एंड बैटरी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सॉफ्टवेयर एंड सर्विस, स्पेस, न्यूक्लियर फिजन और रोबोटिक्स शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स में राजस्व 2023 के 60-70 बिलियन डॉलर से 2030 तक 240-300 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। कुल खुदरा विक्री में ई-कॉमर्स का हिस्सा 2022-23 में 7-9 प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

प्रतिशत था, जो कि 2030 तक 15-17 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है। 2030 तक नौ क्षेत्रों की कुल राजस्व प्रार्प्ति में इसका योगदान लगभग 40 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भविष्य में सेमीकंडक्टर

ओबामा ने ईरान को बहुत कुछ दिया, मैं नहीं देने वाला: ट्रंप

वाशिंगटन (आईएनएस)।

ईरान पर भविष्य में क्या अमेरिका हमला करेगा या नहीं, फिलहाल इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है। ईरान के उप-विदेश मंत्री अमेरिका के साथ भविष्य में किसी भी कूटनीतिक और न्यूक्लियर बातों पर शर्त रख चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान से बात नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथर' पर लिखा, मैं ईरान को कुछ भी नहीं दे रहा हूं। ओबामा की तरह, जिन्होंने 'परमाणु हथियार जैसीपीओए' (जो अब समाप्त हो जाएगा) के तहत अरबों डॉलर का



भुगतान किया था। इतना ही नहीं, मैं उनसे इस विषय पर बात भी नहीं करने वाला हूं, क्योंकि हमने उनकी न्यूक्लियर फैसिलिटी को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। ट्रंप शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर चुके थे, जिनमें कहा गया था कि उनके प्रशासन ने सिविलियन एनर्जी प्रोड्यूसिंग न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाने के लिए ईरान

ट्रंप प्रशासन की स्थिति स्पष्ट नहीं

रविवार को बोम्बेसी से बातचीत में माजिद तख्त-रवांची ने कहा था कि अमेरिका को ईरान के खिलाफ किसी भी हमले से इनकार करना चाहिए। इसके साथ ही उप-विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान के खिलाफ भविष्य के हमलों पर ट्रंप प्रशासन की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। माजिद ने बताया कि अमेरिका ने मध्यस्थ देशों से कहा है कि वह ईरान के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वह भविष्य में हमले करेगा या नहीं।

तेलंगाना में भाजपा को झटका, विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा

हैदराबाद (आईएनएस)। तेलंगाना के गोरामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी नेतृत्व के फैसले से असहमति जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका यह फैसला रामचंद्र राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की मीडिया रिपोर्टों के बाद सामने आया है। राजा सिंह ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैं यह पत्र भारी मन से और गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं। रामचंद्र राव को तेलंगाना भाजपा का मार्ग प्रशस्त अध्यक्ष बनाए जाने की खबर से न सिर्फ मैं, बल्कि लाखों कार्यकर्ता, नेता और

शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव खण्डवा में श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में हुए शामिल

भूमि-पूजन

लाखों भक्तों की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है श्री धूनी वाले दादा का मंदिर: सीएम यादव

भक्तों की बरसों की कामना

भूमि-पूजन के साथ हुई पूर्ण

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर जिलेवासियों सहित निमाड़ क्षेत्र के भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यह केवल एक मंदिर नहीं लाखों भक्तों की आस्था एवं उनकी श्रद्धा का प्रतीक है। मंदिर निर्माण की कई बरसों पूर्व की कामना आज शिलान्यास के साथ पूर्ण हुई जो एक नए आध्यात्मिक युग का प्रारंभ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को खंडवा में आयोजित श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में पहुँचकर समाधि के दर्शन और पूजन-अर्चन किया। उन्होंने भव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि-पूजन स्थल पर पुष्प



अर्पित किए। श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर के भव्य निर्माण के लिए भूमि-पूजन वेद-त्राओं के

उच्चारण के साथ संतों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति में हुआ।

मुख्यमंत्री द्वारा समाधी स्थल पर पुष्प अर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री दादाजी दरबार में श्री बड़े और छोटे दादाजी महाराज की समाधियों के दर्शन कर पूजन अर्चन किया और धूनीमाई में आहुति अर्पित कर प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधी स्थल पर संतों की उपस्थिति में पुष्प अर्पित किये।

श्री धूनी वाले दादाजी का भव्य मंदिर निर्माण किया जाएगा

श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर का निर्माण 22 एकड़ भूमि पर 100 करोड़ की लागत से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा जितना संभव हो उतना मंदिर का

निर्माण कार्य किया जाए, उसके बाद शेष रहे कार्य का निर्माण शासन द्वारा किया जाएगा। मंदिर का निर्माण शिर्डी एवं अक्षरधाम मंदिर की तर्ज पर विभिन्न चरणों में किया जाएगा। मंदिर निर्माण में संगमरमर का उपयोग होगा। निर्माण कार्य का प्रारंभ गुरु पूर्णिमा के बाद किया जाएगा। भव्य मंदिर निर्माण में आधुनिक गौशाला, सेवाधारी निवास, पार्किंग व्यवस्था, भक्त निवास, भोजनशाला एवं नर्मदा परिक्रमावासी विश्रामस्थल का निर्माण किया जाएगा।

श्री दादा गुरु महाराज ने कहा कि यह मंदिर निर्माण नहीं बल्कि एक युग का प्रारंभ होगा। भारत के आध्यात्मिक चारों धामों के बाद किसी धाम की गिनती होती है तो वह है श्री दादाजी धाम जो पांचवां धाम है। ये मंदिर श्रद्धा, सेवा एवं शेष पृष्ठ 06 पर



शिवभक्तों के लिए सुहावना बना मौसम...

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा से पहले मौसम सुहावना बना हुआ है। शिवभक्तों के लिए राहत यह है कि जुलाई के पहले सप्ताह तक मौसम में कोई बड़े फेरबदल के आसार नहीं हैं। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार जम्मू संभाग के कुछ हिस्सों में आगामी बारिश के साथ 40-50 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल सकती है। मगर कश्मीर संभाग में लगभग मौसम साफ रहेगा। यात्रा आगामी तीन जुलाई से शुरू हो रही है।

अमरनाथ यात्रियों के लिए मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार निरंतर मौसम संबंधी भविष्यवाणी जारी की जाएगी। इसमें अगले सात दिन का मौसम पूर्वानुमान जारी किया जाएगा। इससे यात्री बेहतर योजना से अपनी यात्रा को सुगम और सुरक्षित बना सकेंगे।



कश्मीर में छूट रहे पसीने

जून की गर्मी से कश्मीर में पसीने छूट रहे हैं। यहां अधिकांश जिलों में दिन का पारा सामान्य से 3 से 5 डिग्री ऊपर चल रहा है। रविवार को जम्मू से अधिक राजधानी श्रीनगर गर्म रही। जम्मू संभाग के कई हिस्सों में बारिश हुई, मगर उमस भी परेशान कर रही है। धुंध और खराब मौसम से कटड़ा-सांझीछत चारपै सेवा बाधित रही। कश्मीर में साफमौसम के बीच श्रीनगर में दिन का पारा 4.5 डिग्री सेल्सियस चढ़कर 34.5 और न्यूनतम तापमान 22.0 डिग्री

सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू के आसपास के इलाकों में बारिश हुई। लेकिन आद्रता का प्रतिशत 84 तक पहुंच जाने से उमस से पसीने छूट रहे हैं। जम्मू के मुकाबले लगातार श्रीनगर का पारा ऊपर चल रहा है। कश्मीर के काजीगुंड में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.4 डिग्री चढ़कर 32.6, कुपवाड़ा में 33.2, कोकरनाग में 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रियासी में बारिश हुई। बनिहाल में अधिकतम तापमान 30.1, बटोत में 27.7, कटड़ा में 30.2 और भद्रवाह में 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हमारी संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है : राष्ट्रपति मुर्मू

बरेली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को पदक व उपाधि देकर सम्मानित किया। उन्होंने पशु चिकित्सा क्षेत्र में उपाधि और पदक पाने वाले मेधावियों को बधाई दी। कहा कि इस समारोह में छात्राओं की बड़ी संख्या में देखकर गर्व की अनुभूति होती है। बेटियाँ अन्य क्षेत्रों की तरह पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी आगे रही हैं। यह बहुत ही शुभ संकेत है। राष्ट्रपति ने कहा कि आप सब ने निरीह और बेजुबान पशुओं की चिकित्सा और कल्याण के क्षेत्र को अपने करियर के रूप में चुना है। इस चुनौत के पीछे 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', सर्वे सन्तु निरामयाः' की भारतीय सोच का भी योगदान रहा है।

उन्होंने कहा कि पशुओं में बीमारियों की रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। पशु चिकित्सा अनुसंधान में आईवीआरआई से जुड़े वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं का योगदान



राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

राष्ट्रपति सुबह करीब 9:50 बजे भारतीय वायु सेना के विमान से त्रिशूल एयरबेस पर उतरीं। वहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे। यहां से वह सीधे आईवीआरआई परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार पहुंचीं।

सराहनीय है। इस संस्थान ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त किया है। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में उनके टीके यहीं पर विकसित किए गए हैं। यह गर्व की बात है।

पशु और मानव में एक परिवार का रिश्ता



राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदम् सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित हमारी संस्कृति, सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। पशुओं से हमारे देवताओं व ऋषि-मुनियों का संवाद होता है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में कार्य करें तो बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना मन में हो। पशु और मानव में एक परिवार का रिश्ता है।

पशुओं को बताया जीवन धन

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पशु हमारे लिए 'साधन' (परिवहन के लिए) और किसानों के लिए 'बल' रहे हैं। पशु के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकता है। पशु जीवन धन हैं। उनके बिना हम जिंदगी सोच नहीं सकते।

कोलकाता दुष्कर्म मामले का संज्ञान लें, सीबीआई को सौंपी जाए जांच

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई को पत्र के जरिए एक याचिका भेजी गई है, जिसमें आह्व किया गया है कि वह कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले का संज्ञान लें। यह मामला कस्बा क्षेत्र में स्थित साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज का है, जहां 25 जून को एक प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित तौर पर कॉलेज परिसर के अंदर ही तीन लोगों ने मिलकर दुष्कर्म किया। आरोपियों का संबंध तुणमूल काग्रेस (टीएमसी) की छात्र इकाई 'तुणमूल छात्र परिषद' (टीएमसीपी) से बताया जा रहा है। याचिका में सीजेआई से अनुरोध किया गया है कि वह इस



मामले में संज्ञान लेकर तत्काल और निष्पक्ष जांच का आदेश दें। इसके साथ ही यह मांग भी की गई है कि इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी जाए और जांच को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया जाए। यह याचिका वकील सत्यम सिंह की ओर से दाखिल की गई है। इसमें पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि पीड़िता को 50 लाख रुपये की अंतरिम मुआवजा राशि दी जाए, जिससे उसका

'पीड़िता, परिवार और गवाहों को दी जाए सुरक्षा'

इसके अलावा, याचिका में यह भी कहा गया है कि पीड़िता, उसके परिवार और सभी गवाहों को तत्काल और पूरी सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही शिक्षण संस्थानों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किए जाएं। इसमें तुणमूल काग्रेस के नेताओं, खासकर कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई है, जिन्होंने कथित तौर पर पीड़िता को अपमानित करने वाले बयान दिए हैं।

उपचार, पुनर्वास और कानूनी खर्च पूरा किया जा सके।

पुरी में भगदड़ के एक दिन बाद भक्तों की भीड़...



पुरी। पुरी में रविवार को हुई भगदड़ के एक दिन बाद सोमवार को हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बलभद्र

और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने श्री गुंडिचा मंदिर के पास कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पुलिस अधिकारी सौरभ प्रियदर्शी ने बताया कि मंदिर के सामने बैरिकेडिंग लगाई गई है और सुचारु रूप से दर्शन के लिए अलग-

अलग कतारें बनाई गई हैं। पुलिस प्रशासन ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में बिना किसी अवरोध के दर्शन की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना के बाद बड़े स्तर पर प्रशासन में बदलाव किए हैं ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

न्यूज गैलरी

सूडान में ढही सोने की खदान,11 की मौत, 7 घायल

खार्तूम(आईएनएस)। उत्तर-पूर्वी सूडान में एक सोने की खदान ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। सरकारी खनिज संसाधन कंपनी ने यह जानकारी दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, रेड सी स्टेट में अल्बारा और हाया शहरों के बीच हैपद इलाके में स्थित केश अल-फैल खदान में यह हादसा हुआ। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि खदान ढहने से यह घटना हुई, लेकिन हादसे की तारीख का जिक्र नहीं किया गया। कंपनी ने कहा कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण खदान को पहले ही बंद करने का आदेश दिया गया था। लेकिन, इसने खनन गतिविधियों की निगरानी जारी रखने और सुरक्षा मानकों को बेहतर करने का वादा किया, साथ ही खनिकों से सुरक्षा और पर्यावरण नियमों का पालन करने की अपील की।सूडान में पारंपरिक खनन से सोने का एक बड़ा हिस्सा निकलता है, लेकिन खराब सुरक्षा मानकों और पुराने ढांचे के कारण क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। कंपनी ने कहा कि उसने पहले ही खदान में काम रोक दिया था और इसके जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी, क्योंकि यह जानलेवा खतरा पैदा कर सकता है। आधिकारिक और एनजीओ के अनुसार, सोने का लगभग सारा व्यापार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के माध्यम से होता है।

सेनाध्यक्ष भूटान की आधिकारिक यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सोमवार को भूटान की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए हैं। सेनाध्यक्ष का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण है। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच लंबे समय से चले आ रहे गहरे व विश्वासपूर्ण रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी 2 जुलाई तक भूटान की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को और प्रगाढ़ बनाना है। यह यात्रा भारत-भूटान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी और पारस्परिक विश्वास को दर्शाती है। दौरा भारत की अपने पड़ोसी देश भूटान के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है। सेना प्रमुख का यह दौरा दोनों राष्ट्रों के बीच पारंपरिक मित्रता तथा सहयोग को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

पीएम मोदी ने संथाल क्रांति के वीरों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। हूल दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संथाल क्रांति के वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। ऐतिहासिक संथाल विद्रोह को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों, सिंदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो, के साथ-साथ अन्य बहादुर आदिवासी शहीदों की चिरस्थायी विरासत को नमन किया, जिन्होंने औपनिवेशिक उपरीडन के खिलाफ अपने प्राणों की आहुति दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत



लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी। हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता।

पराक्रम की याद दिलाता है। ऐतिहासिक संथाल क्रांति से जुड़े इस विशेष अवसर पर सिंदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ ही उन सभी वीर-वीरगनाओं का हृदय से नमन और वंदन, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी। हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता।

झारखंड के भोगनाडीह में पुलिस और ग्रामीणों में झड़प

साहिबगंज (आईएनएस)।

झारखंड के साहिबगंज जिले स्थित भोगनाडीह में सोमवार को 'हूल' क्रांति दिवस पर आदिवासियों के एक समूह और पुलिस-प्रशासन के बीच जमकर झड़प हुई है। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया है और आसू गैस के गोले छोड़े हैं। इस संघर्ष में कुछ पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल हुए हैं। पुलिस के तीन घायल जवानों



को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। वहीं, हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। साहिबगंज के उपायुक्त हेमंत सती सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर

मौजूद हैं। गांव में भारी तादाद में पुलिस बल की तैनाती की गई है। 1855-56 में अंग्रेजों के खिलाफ हुई संथाल 'हूल' क्रांति के नायकों सिंदो-कान्हू और अन्य शहीदों की याद में प्रति वर्ष 30 जून को उनके गांव भोगनाडीह में राज्य सरकार की ओर से राजकीय कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें सीएम भी शामिल होते हैं। इस वर्ष भी राजकीय कार्यक्रम होना

है, जिसमें सीएम के प्रतिनिधि के तौर पर राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन को भाग लेना है। लेकिन, राजकीय कार्यक्रम के समानांतर सिंदो-कान्हू मुर्मू हूल फेडरेशन नामक संगठन ने भी इसी स्थल पर अलग कार्यक्रम का ऐलान कर रखा है और इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को आमंत्रित किया गया है।

50 साल बाद भी 'संविधान' को कूड़ेदान में फेंकने की आदत से बाहर नहीं निकल पाया विपक्ष: सुधांशु

नई दिल्ली (आईएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने तेजस्वी के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, "अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए। लेकिन, बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए



थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडी गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ

बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे।

जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचारार्थीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान। यह साफ है कि 50 साल बाद भी इंडी गठबंधन संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की पुरानी आदत से बाहर नहीं आ पाया है।"

उन्होंने आगे कहा, "वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी यादव द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं।"

भाजपा सांसद ने कहा, -अगर वे कभी सत्ता में आए तो यह संभव नहीं है, लेकिन वे बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू

करेंगे। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

यह राखें कि भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं, वो भी 1985 में, और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज्यादा की सरकार ने सुप्रीम

मुल्लाओं और मौलवियों द्वारा बनाया शब्द वक्फ

मुस्लिमों और मौलवियों का बनाया शब्द सुधांशु त्रिवेदी ने वक्फ का जिक्र करते हुए कहा, "मैं यह बताना चाहता हूं कि कुरान में 'वक्फ' जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मुस्लिमों और मौलवियों का बनाया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना, देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना, और फिर भी, आप कहते हैं, "संग्रह करो"? यह बाबा साहेब के संविधान का मजाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है, इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज से मौलवियों की रीढ़ में बदलने की कोशिश है। इनका विचार संविधान की सीमा को तार-तार करना है। यह चंद मुझे भर मुस्लिमों के साथ खड़े हैं, जो पैसों की ताकत रखते हैं। यह गरीब मुस्लिमों के साथ नहीं हैं। यह लोग जयप्रकाश नारायण, कर्पूरी ठाकुर को नहीं मानते हैं। आज राजग और समाजवादी पार्टी जैसे दल नमाजवाद के साथ खड़े रहते हैं।"

कोर्ट के फैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। वे पिछड़े, वांछित, का आरक्षण भी यह खतम करना चाहते हैं।"

न्यूज गैलरी

नागरिक सहकारी बैंक राजगढ़ के संचालक मण्डल के चुनाव 12 जुलाई को

राजगढ़/नवप्रदेश। निर्वाचन अधिकारी नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित श्री बी.एल. यादव द्वारा बताया गया कि नागरिक सहकारी बैंक राजगढ़ के संचालक मण्डल के चुनाव 12 जुलाई, 2025 को होने वाली बैंक की विशेष साधारण सभा में किया जाना है। 30 जून, 2025 को नामांकन पत्र भरे जाएंगे। 01 जुलाई, 2025 को नामांकन पत्रों की जांच तथा 02 जुलाई, 2025 को नामांकन पत्रों की वापसी की जाएगी। मतदान 12 जुलाई, 2025 को होगा और उसी तिथि को मतगणना कर परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी।

छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने 30 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

राजगढ़/नवप्रदेश। जिला संयोजक अनुसूचित जाति कल्याण विभाग सुश्री निशा जैन द्वारा बताया गया कि कक्षा 9वीं से महाविद्यालय स्तर तक अध्ययनरत जनजातीय एवं अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थी जिन्हें केन्द्र वृत्ति प्री-मैट्रिक /पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त होता है उन्हें वर्ष 2025-2026 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर [डेंगू निरोधक माह के लिए बनाई कार्ययोजना

लगातार जारी है जन-जागरूकता गतिविधियां एवं लार्वा सर्वे

भोपाल/नवप्रदेश। वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डेंगू नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा भोपाल जिले में जागरूकता गतिविधियाँ एवं लार्वा सर्वे के लिए टीमों के साथ मिलकर कार्ययोजना बनाई गई है, जिससे आगामी माह में डेंगू नियंत्रण के लिए जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा के निर्देशन एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के मार्गदर्शन में जिले में विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता गतिविधियाँ

!\[\]\(1d3a1175dd4902218e694b9c098adb83_img.jpg\)

लगातार आयोजित कि जा रही है। जिला समुदायिक स्थानों पर जागरूकता, पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर गर्भवती एम्बेड टीम लगातार विद्यालयों में, महिलाओं के साथ जागरूकता इत्यादि

गतिविधियाँ जारी है। इसी क्रम में सोमवार को जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव एवं जिला वेक्टर बोन सलाहकार श्रीमती रुचि सिलाकारी द्वारा एम्बेड परियोजना कि टीम के साथ समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजना हेतु बैठक की। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में 44 टीमों लगातार मैदानी स्तर पर कार्यरत है एवं एम्बेड परियोजना के 90 सामुदायिक सहयोगियों द्वारा माह जुलाई से लगातार सर्वे में सहयोग प्रदान किया जायेगा। साथ ही वालंटियर द्वारा नियमित विगत माह में सहयोग दिया गया, डेंगू केस निकलने पर त्वरित कार्यवाही जिला मलेरिया की टीम द्वारा की जाती है, जिसमें फॉगिंग, प्रचार-प्रसार, लार्वा

सर्वे, स्प्रे इत्यादि शामिल है, नगर निगम टीम द्वारा नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाया जाता है जिससे डेंगू नियंत्रण में सहयोग मिल रहा है। प्रत्येक वार्ड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य संस्थाएं संचालित है जिसमे मलेरिया जांच एवं उपचार निशुल्क उपलब्ध है, नगर निगम एवं मलेरिया टीम द्वारा संयुक्त रूप से गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है। जिला मलेरिया अधिकारी स्मृता नामदेव ने समस्त जनों को निर्देशित किया कि वो अपनी टीमों का रिकॉर्ड संधारित करे. वर्ष 2023-2024 एवं 2025 में जिन वार्डों में केस निकले है उन्हें चिन्हित करें। स्कूल एवं कॉलज में नियमित जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित हो।](https://scholarships.gov.in/otrapplication/#/वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) करना अनिवार्य है। कक्षा 9वीं से महाविद्यालय स्तर तक अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा ओटीआरनंबर प्राप्त करने की प्रक्रिया दो चरणों में सम्पन्न होगी। प्रथम चरण में विद्यार्थी को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल की वेबसाइट से अथवा मोबाईल पर एनएसपीओटीआर मोबाईल एप डाउनलोड कर उसमें आवश्यक जानकारी दी जाकर रेफरेंस नंबर प्राप्त करना होगा।</div></div><div data-bbox=)

लंबित आवेदनो की समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन हुआ

मुख्यमंत्री का लाइव उद्बोधन जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में देखा सुना गया

विदिशा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विदिशा जिले में भी 30 मार्च से 30 जून तक अभियान का क्रियान्वयन किया गया था। अभियान के समापन अवसर पर जिला पंचायत के सभा कक्ष में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिला स्तर पर खंडवा में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया था। जिला पंचायत के सभा कक्ष में एलईडी और साउंड सिस्टम के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का लाइव उद्बोधन देखा और सुना गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, शमशाबाद विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा के



में वर्षाकाल के दौरान किसी भी प्रकार की घटना घटित ना हो पाए।। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले की शासकीय उच्चतम मूल्य दुकानों से हितग्राहियों को तीन माह का राशन एक साथ वितरित किया जा रहा है उक्त वितरण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए। उन्होंने तत्संबंध में सभी एसडीएमों को विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा है कि उचित मूल्य दुकाने समय पर खुले और उनकी मॉनिटरिंग क्रियान्वित की जाए। हितग्राहियों को राशन प्राप्ति में कहीं दिक्कतें आती है तो अखिलम्ब कार्यवाही करें। उपरोक्त खाद्यान्न की कहीं भी कालाबाजारी ना हो को सुनिश्चित कराएं। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में सम्पन्न हुई उक्त बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के अलावा संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर समेत विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों को निराकरण का संतुष्टिपूर्वक समाधान हो के पुष्टा प्रबंध सुनिश्चित कराने हेतु ताकिद किया गया है। उन्होंने विभागवार लंबित सौ दिवस से लंबित समाधान रिपोर्ट, सीएम हेल्पलाइन के तहत सौ दिवसीय, पचास दिवसीय और जून माह के लंबित विभागवार आवेदनो के निराकरण हेतु विभागों के माध्यम से की जा रही पहल की समीक्षा करते हुए संबंधित क्षेत्रों के एसडीएमो को भी निराकरण की समीक्षा स्थानीय स्तर पर करने और विभागों में समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले के सभी पेयजल स्रोतों का पानी दूषित ना हो सके इसके लिए आवश्यक शुद्धिकरण दवाईयां डालने का कार्य युद्धगति से क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने निजी जल स्रोतों के संबंध में भी इसी प्रकार के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो की



कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अच्छे काम करने वालों की होगी प्रशंसा

एक डॉक्टर सहित तीन स्टॉफ नर्स और एक सीएचओ को कारण बताओ नोटिस जारी

राजगढ़/नवप्रदेश। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल ने सोमवार को खिलचीपुर और जीरापुर ब्लॉक की स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों पर संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोष जनक नहीं होने पर की कार्यवाही करने की बात कही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पटेल खिलचीपुर ब्लॉक के ग्राम बबेली उप स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं। जहां उन्हें सीएचओ डॉ. कीर्ति देशमुख अनुपस्थित मिले। इसके बाद सीएमएचओ खिलचीपुर अस्पताल में पहुंचीं। यहां इंजेक्शन कक्ष में गंदगी, कोल्ड चैन में अव्यवस्थित वैक्सीन



अव्यवस्थाओं पर सीएमएचओ ने बीएमओ को तीन दिवस में व्यवस्था सुधारने हेतु निर्देशित किया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल जीरापुर अस्पताल के प्रसूती वार्ड में पहुंची और उन्होंने वहां सौधे महिलाओं से स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने वार्ड में मौजूद सभी प्रसूताओं को ये संदेश दिया कि सरकारी अस्पताल में सभी व्यवस्थाएं नि:शुल्क होती हैं।

टीएल बैठक में कलेक्टर विश्वकर्मा ने की सीएम हेल्पलाईन और विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

रायसेन/नवप्रदेश। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन और विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों तथा निराकरण की समीक्षा की और सीएमएचओ, सिविल सर्जन, ई पीएचई तथा जिला शिक्षा अधिकारी सहित कम प्रगति वाले अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन का गंभीरतापूर्वक समयावधि में निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एसडीएम को भी सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने गैरतगंज, गौहरगंज तथा बेगमगंज एसडीएम को शिकायतों के निराकरण हेतु और अधिक मेहनत करने के लिए कहा। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग, जनजाति कार्य विभाग, परिवहन विभाग, खनिज विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का शीघ्र निराकरण होने पर अधिकारियों की सराहना की। महिला बाल विकास विभाग की 100 दिवस से अधिक समयावधि की 2653 शिकायतों में से लगभग 1100 शिकायतों का निराकरण होने पर सराहना करते हुए शेष शिकायतों का भी निराकरण कराने के लिए



कहा। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का निम्न गुणवत्ता से निराकरण किए जाने पर नाराजगी व्यक्त कर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जनजातीय कार्य विभाग, कृषि विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग की शिकायतें नॉन अटेन्डेन्ट रहने पर भी नाराजगी व्यक्त कर संबंधितों को गंभीरतापूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराने के लिए कहा। बैठक में मप्र विद्युत वितरण कम्पनी के डीईई श्री पराग धावड़े को समाधान ऑनलाईन में प्रदेश स्तर पर जिले की रैंकिंग 21 नम्बर होने पर संतोषजनक जवाब नहीं देने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। टीएल बैठक में

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत आवास निर्माण की समीक्षा के दौरान अपूर्ण आवासों की संख्या अधिक होने पर पीओ डूडा को आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही जियो टैगिंग कार्य भी शत-प्रतिशत कराने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में खरीफ 2025 में उर्वरक की उपलब्ध एवं वितरण की जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि किसानों को मांग अनुरूप खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। साथ ही सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में उर्वरक की उपलब्धता का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मूंग तथा उड़द के समर्थन मूल्य पर विक्रय हेतु किसान पंजीयन की जानकारी और उपार्जन तैयारियों की जानकारी ली। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों को उद्यानिकी फसलों के उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करने तथा विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी अधिकारियों से कहा कि पौधरोपण के लिए सभी तैयारियां करें। अपने-अपने कार्यालय परिसर में अनिवार्य रूप से पौधरोपण करें। साथ ही नागरिकों को भी पौधरोपण हेतु प्रोत्साहित करें।

पानी के किफायती उपयोग के लिए माइक्रो इरीगेशन पद्धतियां अपनाई जाएं जल संवर्धन के कार्य निरंतर जारी रहें

पानी के किफायती उपयोग के लिए माइक्रो इरीगेशन पद्धतियां अपनाई जाएं जल संवर्धन के कार्य निरंतर जारी रहें

बरसात की शुरुआत में हो व्यापक पौधरोपण जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित

राजगढ़/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने कहा कि जिले में जल संवर्धन के कार्य निरंतर जारी रहें। अभियान के तहत बरसात की शुरुआत में जिले में व्यापक पैमाने पर पौधरोपण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जल के किफायती उपयोग के लिए किसानों को माइक्रो इरीगेशन पद्धतियां अपनाना चाहिए। कलेक्टर ने समूचे जिले में किसानों को माइक्रो इरीगेशन के फायदों को समझाने के लिए अभियान चलाने की जरूरत बताते हुए कहा कि जो ग्राम पंचायतें माइक्रो इरीगेशन के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करेगी उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. मिश्रा सोमवार को जिला पंचायत में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून के संचालित किया गया। समापन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष राजगढ़ श्री विनोद साहू, श्री मनोज हाड़ा, श्री फूलसिंह तंवर एवं श्री के.पी. पंवार विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने आगे कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में सराहनीय कार्य किया गया है। इस अभियान को सफल बनाने में सभी सहयोगी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण हमारी नैतिक जवाबदारी है। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाना होगा। कलेक्टर ने बरसात के सीजन में सभी से बड़ी संख्या में “एक पेड़ मां के नाम” अभियान अंतर्गत पौधरोपण करने का भी आव्हान किया। कार्यक्रम को श्री मनोज हाड़ा, श्री फूलसिंह तंवर एवं श्री के.पी. पंवार ने संबोधित कर सभी से जल गंगा संवर्धन अभियान में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। इस दौरान सरपंच, सचिवों एवं अधिकारियों ने भी अभियान में हुए कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। समापन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में खंडवा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का वरुञ्जल प्रसारण किया गया। जिसका उपस्थित अतिथियों ने अवलोकन किया।



जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले सरपंच, सचिव एवं किसान हुए सम्मानित

कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले सरपंच, ग्राम पंचायत सचिव एवं खेततालाब योजना के हितग्राहियों को कलेक्टर डॉ. मिश्रा एवं अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। जिनको प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए है उनमें खेत तालाब में उत्कृष्ट कार्य करने वालों में हितग्राहियों में ग्राम पंचायत खेड़ी आम्बा के श्री लखन वर्मा, ग्राम पंचायत कालीतलाई के श्री विष्णु एवं श्री कन्हैयालाल, ग्राम पंचायत हठाईखेड़ा के श्री बनेसिंह, श्री पर्वत सिंह, श्री नारायण, श्री बलवंत सिंह, ग्राम पंचायत नेसडी के श्री श्रीनाथ, श्री कैलाश, श्री सुल्तान सिंह एवं श्री देवीसिंह शामिल हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायत कालीतलाई के सरपंच श्रीमती राधा, सचिव श्री करण सिंह नागर एवं ग्राम रोजगार सहायक श्री

भारत सिंह नागर, ग्राम पंचायत खेड़ी आम्बा के सरपंच श्री गजराज सिंह, सचिव श्री हिन्दु सिंह चौहान एवं ग्राम रोजगार सहायक श्री अमृत लाल गौड़, ग्राम पंचायत नारायण धारा के सरपंच श्रीमती लीलाबाई, सचिव श्री कुमेर सिंह पंवार एवं ग्राम रोजगार सहायक श्री चंदर सिंह वर्मा, ग्राम पंचायत बानपुर के सरपंच श्रीमती पवित्रा बाई, सचिव श्री धीरपसिंह तंवर एवं ग्राम रोजगार सहायक श्री रामेश्वर बेरागी, ग्राम पंचायत चौसला के सरपंच श्रीमती रेखा, सचिव श्री गोकुल प्रसाद दांगी एवं ग्राम रोजगार सहायक श्री रामलाल दांगी एवं ग्राम पंचायत बलबहादुरपुरा के सरपंच श्रीमती गीता बाई, श्री प्रभुनाथ सिंह एवं ग्राम रोजगार सहायक श्री मोहनलाल गुर्जर शामिल हैं। इसी प्रकार अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों में वरिष्ठ डाटा प्रबंधक जिला पंचायत राजगढ़ उपयंत्री श्री जितेन्द्र सिंह पंवार, श्री बलवीर सिंह अहिरवार, श्री मिथुन शाक्य एवं श्री गौरव जैन को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कुछ तो चाहत होगी बारिश की बूंदों की वरना कौन गिरता है इस जमीन पे आसमान पर पहुंचने के बाद। - अज्ञात

पद्मश्री स्व. डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति को चिरस्थायी बनाया जाए



दुर्ग जिले और पूरे छत्तीसगढ़ का देश व दुनिया में नाम रौशन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि पद्मश्री स्व. डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए राज्य सरकार को सार्थक पहल करनी चाहिए। उनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाना ही स्व. डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अविभाजित दुर्ग जिले के बेमेतरा में जन्में डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक थे, किन्तु उन्होंने एक हास्य कवि के रूप में देश व दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। साहित्य सेवा के लिए उन्हें कई सम्मान मिले थे और फिर उन्हें सरकार ने पद्मश्री के गौरवशाली सम्मान से विभूषित किया था। डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे ने अपनी हास्य रचनाओं से न सिर्फ लोगों को गुरुदुःखा बल्कि देश व दुनिया में छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति का भी प्रचार किया उनकी छत्तीसगढ़ी रचनायें पूरे देश में सुनी जाती रही है। ऐसी महान विभूति को सही सम्मान देना छत्तीसगढ़ सरकार का दायित्व बनता है। इस संदर्भ में वैशाली नगर के विधायक किेश सेन ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग की है कि छत्तीसगढ़ के हर जिले में कम से कम एक सरकारी संस्थान का नाम पद्मश्री डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे के नाम पर किया जाये। उनकी यह मांग न्यायोचित है। उम्मीद की जानी चाहिए की राज्य सरकार उनकी मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार करेगी और यथाशीघ्र उचित निर्णय लेगी। क्योंकि दुर्ग डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की कर्म भूमि रही है। इसलिए दुर्ग जिला मुख्यालय में डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में किसी सरकारी भवन का नामकरण किया जाना सर्वथा उपयुक्त होगा। इस संदर्भ में दुर्ग के एक सामाजिक कार्यकर्ता शत्रुंजय तिवारी ने सुझाव दिया है कि दुर्ग के प्राचीन व ऐतिहासिक हिन्दी भवन में डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण एक वाचनालय प्रारंभ किया जाये। अन्य साहित्यिक संस्थाओं ने भी डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में इसी तरह के कारगर कदम उठाने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। दुर्ग जिला मुख्यालय में स्थित हिन्दी भवन में डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में सार्वजनिक वाचनालय प्रारंभ करना सबसे उपयुक्त कदम होगा। गौरतलब है कि ब्रिटिश शासनकाल में १९११ में हिन्दी भवन बना था जिसका नाम एडवर्ड हाल रखा गया था। १९१५ में जिसके ऊपरी मंजिल पर सार्वजनिक वाचनालय प्रारंभ किया गया था। आजादी के बाद भी हिन्दी भवन अविभाजित दुर्ग जिले की साहित्यिक गतिविधियों का केन्द्र रहा और इसे हिन्दी भवन का नाम दिया गया था। सातवें दशक में दुर्ग जिला हिन्दी साहित्य समिति की गतिविधियाँ यही से संचालित होती थी। बाद में यहां ऊपरी मंजिल पर आयुर्वेद महाविद्यालय प्रारंभ हुआ था जहां आयुर्वेद रत्न और साहित्य रत्न की परिभाषा आयोजित की जाती थी उसी समय कुछ समय तक वीणा पाणि साहित्य समिति की साहित्यिक गतिविधियां का भी यह केन्द्र बना रहा और नीचे की मंजिल पर दुर्ग नगर निगम का सार्वजनिक वाचनालय संचालित होता रहा। इस तरह हिन्दी भवन लाभगर्ी सालों तक साहित्यिक गतिविधियों का केन्द्र बना रहा और हिन्दी भवन के नाम को सार्थक करता रहा। २००६ में यहां दुर्ग नगर निगम का मुख्यालय स्थापित कर दिया गया और २०१३ से हिन्दी भवन को संभाग आयुक्त का कार्यालय बना दिया गया। अब जबकि दुर्ग नगर निगम का नया मुख्यालय बन चुका है तो संभाग आयुक्त का नया कार्यालय भी जिला कचहरी के पास स्थापित किया जाना चाहिए और हिन्दी भवन की पुरानी गरिमा लौटाई जानी चाहिए। हिन्दी भवन में पद्मश्री डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति में अत्याधुनिक सार्वजनिक वाचनालय प्रारंभ किया जाना चाहिए। ऐसा करके ही हम डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे को सच्ची अर्थों में श्रद्धांजलि अर्पित कर पायेंगे। दुर्ग जिले के साहित्यकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी ऐसी भी मंशा है इसलिए प्रदेश की विष्णुदेव सरकार से अपेक्षा की जानी चाहिए कि वह जनभावनाओं के अनुरूप दुर्ग के ऐतिहासिक हिन्दी भवन को एक बार फिर साहित्यिक गतिविधियों का केन्द्र बनाये और डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये।

सदगुरु बोधा मृतम



- ◆हमारे आकर्षण के केंद्र केवल हमारे गुरुजी हैं।
- ◆ यहाँ भी प्रिया प्रीतम के साथ, वहाँ भी प्रिया प्रीतम के साथ। हमारे जीवन का परम ध्येय ही है उनका सुख, उनका आनंद, तो न यहां (संसार) रहने से बहुत ज्यादा आसक्ति होती है; आसक्ति एक ही जगह है- यहाँ रहे तब भी आसक्ति श्री कृष्ण है, स्थानांतरण हो तब भी आसक्ति श्री कृष्ण में हैं। जगह बदल रहा है हमारी आसक्ति नहीं बदल रही। तकलीफ उनको होता है जो जगह, मनुष्य और वस्तु बदलते-बदलते जिनकी आसक्तियां भी बदलती रहती हैं। जिनको अपने कल्याण की चिंतन सदा रहती है, चिंत नहीं चिंतन । कल्याण कौन है? शिव; शिव की चिंता नहीं की जाती शिव चिंता करने के लिए बैठे हैं। काशी में जब कोई चला जाता है तो उसके मोक्ष का चिंता शिव करते है कि वो करता है?

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वाता। १९२१ चीन में कम्यूनिस्ट पार्टी का गठन। १९२७ भारत के ८वें प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर सिंह का जन्म। १९५५ इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का राष्ट्रीयकरण किया गया और इसे स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया का नाम दिया गया। १९५९ जम्मू कश्मीर के दूसरे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का जन्म। १९६० अफ़्रीकी देश घाना को गणराज्य घोषित किया गया। १९६४: भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना १९६८ अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और ५९ अन्य देशों ने परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तख्त किए। १९७५ तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने २० सूत्री कार्यक्रम का ऐलान किया। १९९१ वारसा संधि भंग की गई। १९९५ अमेरिका ने ताइवान के खिलाफ लगे प्रतिबंध को हटया। १९९६ ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी प्रांत में इच्छ मृत्यु कानून विश्व में पहली बार लागू।

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा
मेघ: आपका आज के दिन का अतिथि समय आराम से व्यतीत होगा। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में योगदान देने से यश एवं सम्मान की प्राप्ति होगी।
वृष: आज के दिन क्रोध अथवा अहम की भावना बने बनाये क्यों पर पानी रफ़ सेकती है इसलिए ख़ास कर व्यावसायिक एवं सामाजिक क्षेत्र पर विवेक पूर्ण व्यवहार रखे।
मिथुन: आपका आज का दिन शुभ रहेगा। आज कार्य क्षेत्र पर अनुकूल वातावरण मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।
कर्क : आज के दिन आपको प्रारब्ध अनुसार जितना मिले उसी में संतोष कर लेंगे। परन्तु पिछे भी अदरुनी तौर पर मन में कुछ ना कुछ कमी बनी रहेगी।



डॉ. संजय शुक्ला

अलबत्ता इस पेरो पर उठ रही उंगलियों के महेनजर यह भी विचारणीय है कि आधिकार डॉक्टर भी समाज का ही हिस्सा है तथा उसकी भी पारिवारिक जिम्मेदारी और जरूरतें है लिहजा नैतिकता और परोपकार की अपेक्षा इसी बिगदरी से पर्यो? आधिकार वर्तमान नैतिकवादी दौर में डॉक्टरों को भी पैसों की जरूरत है लेकिन इन पैसों की कमाई के तरीकों पर जरूर बहस होना चाहिए क्योंकि यह सीधे तौर पर व्यक्ति के सेहत से जुड़ा मसला है। यदि कोई चिकित्सक अपनी योग्यता और कौशल के बल पर इस पेरो की दुनिया और पाथ के मर्यादा में पैसा कमाता है तो यह कदाई अनैतिक नहीं है।बहरहाल ‘डॉक्टरर्स-डे’ की सार्थकता तब है जब चिकित्सक अपनी व्यावसायिक दायित्वों के प्रति सजग होकर अपने पेरो को महज कमाई का जरिया न मानते हुए इसे पींडित मानव के सेवा का माध्यम भी माने। समाज से भी अपेक्षा है कि वह चिकित्सकों के प्रति संवेदनशील बने आधिकार ईश्वर भले ही हमें जीवन देता है लेकिन गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं के दौरान जीवन की रक्षा तो डॉक्टर ही करता है।



डॉ शाहिद अली

बाद में इसका प्रकाशन फिर शुरू हुआ जो आज दैनिक अखबार के रूप में प्रतिष्ठित है। श्री स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी के संपादन में साप्ताहिक महाकौशल का पुनःप्रकाशन ०६ मार्च १९४६ से शायरु से शुरू हुआ। नए कलेवर के साथ शुरू हुए इस पत्र में राजनीतिक के अलावा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को महत्त्व स्थान मिला। श्री स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी इस पत्र में महादेव घाट से एक लोकप्रिय स्तंभ लिखते थे जो अघोर गैरव के नाम से विख्यात था। श्री स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी ने महाकौशल को वर्ष १९५०में दैनिक अखबार का स्वरूप दिया जिसकी व्यवस्था का जिम्मा श्री श्यामाचरण शुक्ल ने उठाया।

पाठकों की बात

कुछ करना है

कुछ करना है दुनिया में तो सर उठा के चल ओ कलम के योद्धा तू अक्षर उठा के चल कर दे सत्य के भेद उजागर रच दे एक इतिहास झूठ आडंबर दांत निपेरे करेगा जग परिहास पर हिम्मत के बादशाह तू नजर उठा के चल ओ कलम के योद्धा तू अक्षर उठा के चल। अपनी बुद्धि औ’ विवेक से बातें तोल के बोल तर्क कुतर्क से दूर ही रह पर संवादों के खोल दबे हुए कुचले लोगों के स्वर उठा के चल ओ कलम के योद्धा तू अक्षर उठा के चल। – आरती कुमार

ह म छ ती स ग द् वासी अपने जंगल को तबाह कर देश के उद्योग महानगर को रोशन करेगे देश के कथित बड़े राज्य के लोगों पता नहीं रहता छत्तीसगढ़ भारत मे कहीं है दिल्ली कि फ़्री बिजली छत्तीसगढ़ अपने ऑक्सिजन को जलाकर देते है और हम पूरे से कि बिजली उपयोग करते है... – अंबर दानी।

॥ गोवर ग्रह: ॥
सूर्य: मिथुन,चंद्र : सिंह, मंगल : सिंह (उदित, पूर्व, मागी), बुध : कर्क (उदय, पश्चिम, मागी),शुक्र : मिथुन (अस्त, पश्चिम, मागी),शनि : मीन (उदय, पूर्व, मागी), राहु : कुंम, केतु : सिंह।

संपादकीय

डॉक्टर - मरीज के बीच भरोसे का डोर मजबूत हो

डॉक्टर यानि चिकित्सक को " गॉड ऑफ़अर्थ" यानि धरती का भगवान कहा गया है।डॉक्टरी पेशा ही एक ऐसा पेशा है जिसकी हमेशा सर्वोच्च सामाजिक प्रतिष्ठा रही है। भारत में पौराणिक काल से लेकर आधुनिक दौर में वैद्यों, हकीमों और डॉक्टरों का व्यवसायिक नजरिए से सम्मानजनक स्थान रहा है। देश के महान चिकित्सक डॉ. बिधानचंद्र राय जिनका जन्मदिन १ जुलाई है की स्मृति में भारत में प्रतिवर्ष ‘-डॉक्टरस डे-’ मनाया जाता है। डॉ. राय की ख्याति केवल उच्च शिक्षा प्राप्त मेडिकल टीचर और डॉक्टर के तौर पर ही नहीं थी बल्कि उन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में बतौर सेनानी असहयोग आंदोलन में बहु-चक्रर हिस्सा लिया था। ?डॉ. बिधानचंद्र राय आगे चलकर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी बने तथा उन्हें देश के सर्वोच्च अलंकरण - भारत रत्न- से नवाजा गया। अलबत्ता स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते निजीकरण और लचर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के चलते चिकित्सा जैसा पवित्र पेशा अब अनेक विसंगतियों से जूझने लगा है। बाजारवाद और कॉर्पोरेट घरानों के भारी निवेश के चलते चिकित्सा का क्षेत्र सेवा की जगह कमाई का जरिया बन रहा है फ्लस्वरूप डॉक्टरों और मरीज के बीच पहले जैसा विश्वास नहीं रहा जो पेशे की अहम कड़ी है। बोते कुछ दशकों के दौरान चिकित्सा क्षेत्र में कुछ ऐसे घटनाएँ हुई है उसने डॉक्टरी पेशे की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया है। गौरतलब है कि भारत जैसे कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश में स्वास्थ्य का क्षेत्र शहरी और ग्रामीण तथा अमीर व गरीब के बीच में बंटा हुआ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जारी असमानताओं और विसंगतियों के कारण अब डॉक्टर और मरीज के बीच भरोसे का डोर लगातार कमजोर हो रहा है फ्लस्वरूप चिकित्सक और मरीज के परिजनों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आम हो चुकी है। हालांकि सभ्य समाज में ऐसे संघर्ष को कदापि स्वीकार नहीं किया जा लिहाजा आज जरूरत डॉक्टर और मरीज के बीच बढ़ रहे अविश्वास को खत्म करने की जरूरत है इसके लिए समाज और चिकित्सक बिचारी के बीच संवाद के फ़सले को कम करना होगा।नैतिक मूल्यों के पतन के वर्तमान दौर में चिकित्सा जैसा मुकद्दस पेशा भी अछूता नहीं है फ्लस्वरूप डॉक्टरों के सफ़र कोट यानि एग्न पर भी दाग के छँटें पड़ने लगे हैं। बोते दौर में निजी अस्पतालों के डॉक्टरों द्वारा अनावश्यक गर्भाशय निकालने, गैरजरूरी सर्जरी करने, धोखेबाजी करके किडनी निकालने, हृदय के धमनियों की सर्जरी के दौरान लगने वाले "स्ट्रेट" अथवा एंजियोलास्टी में घपला करने, लिंग परीक्षण अथवा एबॉर्शन में पैसे ऐंटेने, स्मार्ट कार्ड घोटाले में संलिप्तता और पैसों के भुगतान

के आड़ में शव को बंधक बनाने जैसी खबरें सामने आई है। आज आमधारणा यह बनती जा रही है डॉक्टर अपने कमीशन और अस्पतालों के भारी-भरकम खर्च जुटाने के लिए मरीजों की गैर



जरूरी जांच कराते हैं अथवा भत्तों रखते हैं। इसी प्रकार लोगों का यह भी सोच बन चुका है कि डॉक्टर दवा कंपनियों से मिलने वाले उपहार या सैर-सपाटे के ऐवज में मरीजों को सस्ती दवाओं की जगह महंगे ब्रांडेड दवाएँ लिखते हैं। अलबत्ता चिकित्सकों से संबंधित उपरोक्त खबरें और धाराणाओं में अर्धसत्य है क्योंकि आज भी अधिकांश चिकित्सक अपने पेशे और प्रतिष्ठा के प्रति संजीव हैं। दूसरी ओर महज चंद डॉक्टरों के अनैतिक गतिविधियों के चलते समूचे चिकित्सक समुदाय को कठघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। डॉक्टर अपने मरीजों के सेहत और जिंदगी के प्रति कितना फ़िक्रमंद हैं? इसका उदाहरण हमने बोते वैधिक महामारी कोरोना के दौरान देखा जब पूरी दुनिया अपने घरों में तालेबंद थी तब यही चिकित्सक और मेडिकल स्टाफदिन-रात हजारों मरीजों की सांसों की डोर थामने अपनी जान को दांव पर लगा रहे थे। इस महामारी से संक्रमितों के उपचार के दौरान जहां देश के हजारों डॉक्टर और सहकर्मी कोरोना से संक्रमित हुए वहीं लगभग १००० डॉक्टरों की मौत इस महामारी से हुई। दरअसल डॉक्टर की जिंदगी में ऐसे क्षण बार - बार आते हैं जब कोई मरीज जिंदगी के लिए निर्णायक संघर्ष करते रहता है तब यह संघर्ष अकेले मरीज का ही नहीं होता है बल्कि इस संघर्ष का अहम हिस्सा उस डॉक्टर का होता है जो मरीज की जिंदगी के लिए खुद जड़ोजहद कर रहा होता है। बीमार को बीमारी और मौत के मुंह से लौटाकर उसे सेहतमंद बनाने और जिंदगी बचाने के असली मायने एक डॉक्टर से बेहतर कोई नहीं जान सकता।

सच्चाई यह है कि हर डॉक्टर मरीज की जान बचाने और उसे तंदुरुस्त रखने की हर्सभंव कोशिश करता है ऐसे में यदि किसी

हिंदी पत्रकारिता के शिरोमणि प.स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी

छत्तीसगढ़ में हिंदी पत्रकारिता का गौरवशाली युग रहा है। इस युग की नींव छत्तीसगढ़ मित्र के शलाका पुरुष प. माधव राव सप्रे ने ही। शलाका का अर्थ सत्य, अहिंसा, सदाचार और पवित्रता है। सप्रे जी की पत्रकारिता के ऐसे रत्न थे जिनकी प्रेरणा और प्रताप से छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता का स्वर्णिम युग प्रारम्भ हुआ। ऐसे ही युग के शिरोमणि रहे प.स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी जी, जिनकी आज जयंती है। हिंदी पत्रकारिता के शिरोमणि श्री स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी का जन्म एक जुलाई १९२० को कानपुर के अकोढ़ी ग्राम में हुआ। लेकिन अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ उनकी कर्मभूमि रही। पंडित स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी एक प्रसिद्ध पत्रकार, साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी थे। उनके पिता श्री गयाचरण त्रिवेदी भी समाज सेवा और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय थे। त्रिवेदी जी ने अपनी शिक्षा छत्तीसगढ़ कालिंज से पूरी की और १९४० में कांग्रेस पार्टी के मुखपत्र ‘कांग्रेस पत्रिका’ से जुड़े। पत्रकारिता और साहित्य में उनका योगदान अद्वितीय था। राष्ट्रीय आंदोलन की पृष्ठभूमि में जनचेतना के अग्रदूत स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में हिंदी साहित्य और पत्रकारिता की एक समृद्ध विरासत को जन्म दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, राजेन्द्र बाबू और सरदार वल्लभ भाई पटेल का उनके जीवन में गहरा प्रभाव था। इसलिए राष्ट्रीय आंदोलन की प्रत्येक गतिविधियों से वे जुड़े रहे। अपने पिता की तरह ही उनमें देश की आजादी के लिए मर मिटने की समझा कूट कूट कर भरी हुई थी। बाल्यावस्था में ही साहित्यिक लेखन और पत्रकारिता में उनका जुड़ाव बन गया था। खड़ी बोली हिन्दी में लिखना और अनुवाद में अभिरूचि



बहुआयामी प्रतिभा का विकास हुआ। कर्मवीर के संपादक एक भारतीय आत्मा प.माखनलाल चतुर्वेदी का त्रिवेदी जी के व्यक्तित्व निर्माण में काफी प्रभाव रहा। स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी एक निश्चल प्रकृति के सख्त एवं स्वाभाविक पीर थे। इसलिए उनके लेखन में स्वतंत्र लेखन और मानव जीवन का समूचा दर्शन होता था। प्रकृति का सौंदर्य बोध उनके जीवन में छलकता था। उनकी अनगिनत साहित्यिक कृतियां में प्रकृति और मनुष्य के भावों का साक्षात्कार देखा जा सकता है। देश की आजादी और नवचेतना की मशाल लेकर चलने वाले स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी का संपूर्ण व्यक्तित्व राष्ट्र के उत्थान के प्रति समर्पित रहा।

मरीज के साथ अनहोनी हो जाए तो चिकित्सक को दोषी ठहराना कत?ई उचित नहीं है। लेकिन अपवाद स्वरूप सच्चाई यह भी है कि कुछ मामलों में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफकी लापरवाही और उदासीनता भी सामने आई है जिसके चलते मरीजों को अपने जान से हाथ धोना पड़ा है। इन विसंगतियों के मद्देनजर चिकित्सक संगठनों की भी जवाबदेही है कि वह चिकित्सा पेशे की धूमिल होती साख के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएँ ताकि इस पेशे की प्रतिष्ठा और शुचित्ता कायम रहे।

भारत जैसे देश में डॉक्टर और मरीज के बीच पनप रहे अविश्वास के लिए सरकार, समाज और चिकित्सक समान रूप से जिम्मेदार हैं। दरअसल देश की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था शुरूआत से ही उपेक्षा और बदहली का शिकार रहा है। अभावों से जूझते सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में काम करने वाले चिकित्सकों और जूनियर डॉक्टरस सीमित तनखाह में अपने परिवार से दूर २४ से ३६ घंटे बीमार और गंदगी के बीच लगातार तैमारदारी में जुटे होते हैं। हाल के दिनों में काम के बोझ के चलते डॉक्टरों द्वारा खुदकुशी के मामले भी सामने आए हैं। दूसरी ओर सरकार डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को सुरक्षा देने में लगातार नाकाम रही है फ्लस्वरूप डॉक्टरों और अस्पतालों पर हमलों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बहरहाल डॉक्टरी पेशे की धूमिल होती ख़ोब और मरीज और चिकित्सक के बीच बढ़ते फ़सले को दूर करने के लिए परस्पर संवाद की जरूरत है। अलबत्ता इस पेशे पर उठ रही उंगलियों के मद्देनजर यह भी विचारणीय है कि आधिकार डॉक्टर भी समाज का ही हिस्सा है तथा उसकी भी पारिवारिक जिम्मेदारी और जरूरतें हैं लिहाजा नैतिकता और परोपकार की अपेक्षा इसी बिगदरी से क्यों? आधिकार वर्तमान भौतिकवादी दौर में डॉक्टरों को भी पैसों की जरूरत है लेकिन इन पैसों की कमाई के तरीकों पर जरूर बहस होना चाहिए क्योंकि यह सीधे तौर पर व्यक्ति के सेहत से जुड़ा मसला है। यदि कोई चिकित्सक अपनी योग्यता और कौशल के बल पर इस पेरो की शुचित्ता और शायथ के मर्यादा में पैसा कमाता है तो यह कदाई अनैतिक नहीं है।बहरहाल ‘डॉक्टरस-डे’ की सार्थकता तब है जब चिकित्सक अपनी व्यवसायिक दायित्वों के प्रति सजग होकर अपने पेशे को महज कमाई का जरिया न मानते हुए इसे पींडित मानव के सेवा का माध्यम भी माने। समाज से भी अपेक्षा है कि वह चिकित्सकों के प्रति संवेदनशील बनें आधिकार ईश्वर भले ही हमें जीवन देता है लेकिन गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं के दौरान जीवन की रक्षा तो डॉक्टर ही करता है।

राष्ट्रशिल्पी स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी के जीवन के चार प्रमुख पड़ाव थे। पहला पड़ाव त्रिवेदी जी ने साप्ताहिक "अग्रदूत" में सहायक संपादक के रूप में काम किया और बाद में इसके सलाहकार संपादक बने। दूसरा पड़ाव उन्होंने पंडित रविशंकर शुक्ल के अनुरोध पर साप्ताहिक "महाकौशल" का संपादन किया और इस पत्र को लोकप्रियता के शिखर तक पहुंचाया। तीसरा पड़ाव त्रिवेदी जी मध्यप्रदेश सरकार के जनसम्पर्क अधिकारी रहे और उपसंचालक के पद से सेवानिवृत्त हुए। चौथा पड़ाव

उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास को अपनी कविताओं में लिखा और कई प्रेरक रचनाएँ लिखीं। उनकी कविता "तुम गए मिटे रह गई एक कहने को अमर कहानी है" बहुत प्रसिद्ध है। स्वतंत्रता आंदोलन के लिए १९४२ का समय बहुत महत्वपूर्ण था। इस क्रांति काल में समाचार पत्र, पत्रिकाओं के तेवर देखते बनते थे। यही वो समय था जब रायपुर से श्री केशव प्रसाद वर्मा और श्री स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी ने मिलकर साप्ताहिक 'अग्रदूत' का प्रकाशन किया था। 'अग्रदूत' ने फ़िरंगी हुकूमत को ललकारा और बगावत का बिगुल बजा दिया। ब्रिटिश सरकार को अग्रदूत के तेवर पसंद नहीं आए और इसके संपादकों पर कड़ी निगरानी रखने लगे। ९ अगस्त १९४२ को जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई तो अग्रदूत ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। भारत छोड़ो आंदोलन के चलते अंग्रेजों ने अग्रदूत के संपादकों श्री केशव प्रसाद वर्मा और श्री स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी के घरों की तलाशी ली और अग्रदूत पर सेंसर लगा दिया। श्री केशव प्रसाद वर्मा गिरफ्तार कर लिए गए। कुछ समय तक अग्रदूत का प्रकाशन स्थगित रहा।

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



नेक नीयत से से लगा रहा



नेक नीयत से लगा रह, काम करता जा चला दूसरों का कर भला तो, तेरा भी होगा भला भूल मत परमात्मा को, साथ ह्रदम वो खड़ा करके अच्छ ज़ि़र ना कर फ़ड़कर कभी गला। – जे डी कुदाल

न तो भरे रंग ही उभरे और न ही किसी

न तो भरे रंग ही उभरे और न ही किसी की नजरेँ टिकी उफ़्फ़।। ये केसी हमने अपनी तस्वीर बनाई लेकिन न तो मुकुद्द पर हँसे और न ही रोनी सूरत बनाई अपनी ही रौ में बहते रहे और जीते रहे अपनी तन्हाई। – रामकिशोर उपाध्याय

यात्राएँ बदल सकती हैं पूरी

यात्राएँ बदल सकती हैं पूरी की पूरी जिंदगी जब कभी निकलो मन की यात्रा पर जालों को निकाल फेंकना मस्तिष्क के कटघरों से! – सरिता खोवाला

QUIZ TIME

१) वधावन वीनफ़ैल्ड पोर्ट किस राज्य में विकसित किया गया है?
२) हाल ही में खबरों में देखे गए सोपस्टोन किस प्रकार की चट्टान है?
३) टाइट्रून् मिसाइल सिस्टम किस देश द्वारा विकसित किया गया था?
४) एशिया की सबसे बड़ी खादे पानी की झील कौन-सी है?

५) आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ़द ईयर २०२४ के लिए प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया है?



शराबई प्रमाण (५)
झुड़ू क़ामु (४)
क़ायुमज़्ज़ा
रज़ा क़दिर (६)
ज़हिर प्रमाण (७)
ज़ाबज़ (१)
ज़ाबज़

जी हॉं मैं स्त्री हूँ

जी हॉं, मैं स्त्री हूँ। इस समस्त सृष्टि की, समष्टि हूँ, मैं स्त्री, अपने आधे स से, साथती हूँ, तपस्या, महादेव की। अपने त्र पर, धारती हूँ, त्रिशूल, महादेव का। अपने त्र की, ई की मात्रा से, बनाती हूँ, ईश्वर,महादेव को । मेरा अस्तित्व, समाप्त होते ही, हो जायेगे, अस्तित्वहीन, महादेव भी। – अलका अग्रवाल

यह क्या कि पहलू में शबाब लिय

यह क्या कि पहलू में शबाब लिये बैठे हो, वो आँखें क्या हुई ,जो शराब लिये बैठे हो तुम तो कहते थे इश्क में छू लगे बुलंदियां, मगर तुम तो खाना खराब किये बैठे हो! इश्क अधूरी तमन्नाओं का नाम है , तुम हो कि सुन रहे ख्वाब लिये बैठे हो

इश्क है तो दिल से महसूस करो इश्क को मगर तुम तो इश्क की फ़िराब लिये बैठे हो साजे दिल पे कोई ताज़ा तराने छेड़ो तुम हो कि पुराना हिस्सा लिये बैठे हो भुला भी दो अब दिल से माजी की कसक को, क्यूँ अपनी जान पे अज़ाब लिये बैठे हो । – अनु मित्तल

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -०९५

(भाषाभाषा चक्र)

बाएँ से दायें

१. राजस्व प्रायुष ७. दयालु, दया
रक्षा करी चला ७. दयालु, दया
करते चला (र.) १०. युग,
यौगु। एक दायि, एक गिल्ल
अभिधा १३. कैदवाण, कैल
हिरास। जाली।
जानकमन्दरी १५. ध्वज को यात,
जयजय १८. गरी, क्री, महिला

२१. निरुक्त करण २२. वाणी,
कथा २४. नारा। नारा में दस
अर्धों वाला पत्ता २५. पारस का,
नामिक, चपरा।

ऊपर से नीचे

१. वैशेषिक, विशिष्ट, जिसके कोई
पायाक न हो २. मूर्ति ३. पोसा,
प्रेमी ४. कुशल, विजय ५.
मल्लू ६. झुका हुआ, झुकावा

गण, नह ९. शस्त्र-नगर, पास
खुल्ले ११. निरुक्त, कथकरी,
भाष्य १४. चेंबर, मर्कल, कपि
१६. शांतिवाली, बलवान १८.
संताप, संसल १९. अवलम्ब,
कल २०. गाली करण, कहे
हुए को प्रस्ता करण २३. मरिदा,
नदिया, नद।

शब्द सामर्थ्य क्रमिक ०९४ का हल

मा	म	स	ह	वा	य	कि
लि	अ	सि	वा <td>य<td>म<td>ता</td></td></td>	य <td>म<td>ता</td></td>	म <td>ता</td>	ता
क	यू	र	म	यू	न	व
	र		द			
म	म	न	पा	र	स	स
मी		न	या	ल	न	क
ना	दा	न	ना	र	द	का
	सि		ती			
यू	नी	ल	अ	क्षी	र	जी

अपनी ही मंत्री के खिलाफ पीएचई विभाग ने जांच बैठाई !

1000 करोड़ कमीशन लेने का आरोप ; 2 इंजीनियर भी घरे में

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने अपनी ही विभाग की मंत्री संपतिया उड्के के खिलाफ जांच बैठा दी है। प्रमुख अभियंता (इंएनसी) संजय अंधवान ने जांच के आदेश प्रधानमंत्री से की गई शिकायत और केंद्र की ओर से मांगी गई रिपोर्ट के बाद दिए हैं।

प्रमुख अभियंता कार्यालय ने सभी मुख्य अभियंता पीएचई और परियोजना निदेशक मप्र जल निगम को इस मामले में चिट्ठी लिखकर सात दिन में रिपोर्ट देने को कहा है। हालांकि जांच के आदेश को लेकर प्रमुख अभियंता संजय अंधवान कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

निर्देश में कहा गया है कि भारत सरकार ने राज्य के जल जीवन मिशन को दिए 30 हजार करोड़ के खर्च की जांच करने को कहा है। साथ ही पीएचई

मंत्री संपतिया उड्के और उनके लिए पैसा जमा करने वाले मंडला के कार्यपालन यंत्री की संपत्तियों की जांच के निर्देश दिए हैं।

पूर्व विधायक किशोर समरीते ने की है शिकायत

यह शिकायत पूर्व विधायक किशोर समरीते ने की है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नाम से 12 अप्रैल 2025 को शिकायती पत्र भेजा था। जिसमें कहा गया कि एमपी में जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार की ओर से दिए गए 30 हजार करोड़ में मंत्री संपतिया उड्के ने एक हजार करोड़ रुपए कमीशन लिया है।

शिकायत में पूर्व इंएनसी बोके सोनगरिया पर भी आरोप है कि उन्होंने



संपतिया उड्के, PHE मंत्री
किशोर समरीते, शिकायतकर्ता
बैतूल कार्यपालन यंत्री ने बिना काम 150 करोड़ निकाले

इसी तरह पीआईयू, जल निगम के डायरेक्टर जनरल और इंजीनियरों ने एक-एक हजार करोड़ का कमीशन लिया है। बैतूल के कार्यपालन यंत्री ने 150 करोड़ रुपए बिना काम कराए ही शासन के खाते से निकाल लिए हैं।

यही हाल छिंदवाड़ा और बालाघाट का भी है। मुख्य अभियंता मैकेनिकल द्वारा 2200 टेंडरों पर काम नहीं कराया गया और राशि निकाल ली गई। समरीते ने आरोप लगाया है कि सात हजार काम पूरे होने के फर्जी प्रमाण पत्र भी एमपी से केंद्र सरकार को भेजे गए हैं, जिसकी सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। यह घोटाला देश के बड़े घोटालों में निकलकर आया।

ग्राम पंचायत गुनगा में आज होगा वित्तीय समावेशन योजना अभियान का शुभारंभ

अभियान 01 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल जिले की ग्राम पंचायत गुनगा में आज वित्तीय समावेशन योजनाओं की शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 01 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक देशभर में चलाए जा रहे व्यापक अभियान के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग, बीमा, पेंशन एवं डिजिटल वित्तीय सेवाओं से जोड़ना है ताकि आर्थिक रूप से उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। भोपाल जिले से इस अभियान के शुभारंभ स्थल के रूप में गुनगा चयनित किया गया है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं डिजिटल बैंकिंग के लाभों की जानकारी दी जाएगी और ऑनसपोर्ट खाता एवं बीमा पंजीकरण भी किए जाएंगे।

■ न्यूज गैलरी

पुलिसकर्मी ने कार से पति-पत्नी को रौंदा : छतरपुर में पत्नी की मौत, पति गंभीर



खजुराहो/नवप्रदेश। छतरपुर-पन्ना हाईवे पर बमीठा थाना क्षेत्र के खेरी गांव के पास हेड कॉन्स्टेबल राकेश अहिरवार की कार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में गर्भवती पार्वती अहिरवार (35) की मौत हो गई। पति राजाराम अहिरवार (38) का ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पार्वती आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं। हादसे के बाद पुलिस लाइन में पदस्थ राकेश का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह नशे की हालत में राहगीरों से बहस करता दिख रहा है। जब एक राहगीर ने पूछा कि अगर महिला मर जाएगी तो क्या होगा, तब उसने कहा- कोई मरता है तो मर जाए, हां मैंने किया एक्सीडेंट। देखकर लग रहा है कि वह नशे में है। वीडियो वहां से निकल रहे सभी अवस्थी नाम के युवक ने बनाया है। घटना रविवार देर रात 12 से 1 बजे के बीच की है। अहिरवार दंपती गुलारंज से तेरहवीं कार्यक्रम से बमीठा लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों उछलकर नीचे गिर गए। कार की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि टक्कर के बाद वह हाईवे की फेंसिंग तोड़कर खेत में जा घुसी। हादसे में घायल दंपती को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया। मऊरानीपुर के पास पत्नी पार्वती ने दम तोड़ दिया। बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया है कि घटना की जांच की जा रही है। शव का पोस्टमॉर्टम छतरपुर जिला अस्पताल में कराया गया है। हादसे का शिकार बने बमीठा थाना क्षेत्र के गंगावह ग्राम के रहने वाले राजाराम खेती-किसानी का काम करते हैं। वहीं पत्नी पार्वती आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं। पार्वती और राजाराम की 17 साल की बेटी और 14 साल का बेटा है। फिलहाल परिवार बमीठा पावर हाउस के पास रहता है। देवर रामदास अहिरवार ने बताया कि आरोपी ने हमारा परिवार बर्बाद कर दिया। एक्सीडेंट के समय कार में 3-4 लोग थे। आरोपी की अब तक गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस बोल रही है कि पहले अंतिम संस्कार करो उसके बाद कार्रवाई करेंगे। हम बमीठा थाने आए हैं शिकायत दर्ज करवाने। आरोपी के खिलाफ जल्द ही केस दर्ज कर गिरफ्तारी की जानी चाहिए। जानकारी का मुताबिक हेड कॉन्स्टेबल राकेश अहिरवार शराब का आदी है। इसके पहले वे सरबई थाने में पदस्थ था, लेकिन वहां से नशा करने की शिकायत पर पुलिस लाइन छतरपुर ट्रांसफर किया गया था।

पत्नी ने घूंघट नहीं किया, पति ने बेटे को फेंका : हालत गंभीर

उज्जैन/नवप्रदेश। उज्जैन के बड़नगर में पत्नी के घूंघट न करने से नाराज पति ने 3 साल के बेटे को सड़क पर बेरहमी से पटक दिया। सिर, हाथ, पैर में गंभीर चोट आने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी पिता को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुटी है। बच्चे तनवीर की मां मुस्कान ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति आजाद शाह के साथ बड़नगर के बाजार आई थीं। खरीदारी करने के बाद वे बाइक से अपने गांव उमरिया लौट रहे थे। बारिश होने लगी तो आजाद ने तनवीर को अपनी गोद में ले लिया। चामला नदी के ब्रिज के पास आजाद ने बाइक रोकी और गांव के लोग आसपास होने का कहकर मुस्कान से घूंघट करने को कहा। मुस्कान ने इसमें आनाकानी की तो आजाद ने कहा- मैं बच्चे को फेंक दूंगा। फिर भी घूंघट करने में देरी हुई तो आजाद ने गुस्से में आकर मासूम तनवीर को सड़क पर पटक दिया। बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने कहा- मुस्कान ने अपने पति के खिलाफ एकआईआर लिखवाई है। उसने बताया कि आजाद ने बच्चे को सड़क पर फेंक दिया था। बच्चे को काफी चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद ढाबा संचालक पीयूष मोरवाल ने आजाद को पकड़ लिया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बच्चे को प्राथमिक उपचार के लिए बड़नगर अस्पताल पहुंचाया।

लापरवाह अधिकारीयों पर होगी बेटी से छेड़छाड़ का विरोध किया तो पिता को पीटा

सख्त कार्यवाही: राज्यमंत्री गौर

भोपाल/नवप्रदेश। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि समय पर काम नहीं करने वाले लापरवाह अधिकारियों कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही होगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर सोमवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 66 में जनसंपर्क के दौरान जनता की समस्याओं को सुन रही थीं। उन्होंने गोविंदपुरा क्षेत्र में जे.के. रोड स्थित गोयल अपार्टमेंट क्षेत्र के रहवासियों द्वारा नाली सफाई, जर्जर सर्विस रोड और रात्रि के समय अंधेरे के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इंदपुरी -ए-सेक्टर में जनसंपर्क के दौरान पार्क की स्वच्छता, घास की कटाई एवं सौंदर्यीकरण के लिये आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही नाली में जमा कचरे की



शीघ्र सफाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। छत्तीसगढ़ लेबर कॉलोनी का निरीक्षण कर रहवासियों से संवाद किया। स्थानीय समस्याओं विशेषकर नाली सफाई, नाली निर्माण और सीवेज लाइन से संबंधित प्रकरणों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। छत्रसाल नगर फेस- 1 के रहवासियों ने बताया कि आसपास की कॉलोनियों में जल भराव हो जाता है। सड़के जर्जर हो चुकी हैं, पेयजल की

गई सड़कों के निर्माण, पार्क की बाउंड्री वॉल और सौंदर्यकरण के निर्देश दिए। नैनागिरी आजाद पार्क में नाले पर से अतिक्रमण हटाने और नाले की सफाई के निर्देश दिए। बार-बार बिजली जाने और वोल्टेज कम होने की शिकायत को दूर करने अधिकारियों को निर्देशित किया। छत्रसाल नगर फेज -2 में शहीद मनोज सोनी स्मृति पार्क के सौंदर्यकरण, हाईमास्ट लगाने और पेड़ों की छटाई के निर्देश दिए। कॉलोनियों की नालियां चौक हो गई हैं, उन्हें साफ करने, सीवेज लाइन की मरम्मत और जर्जर सड़कों को बनाने के निर्देश भी दिए। कर्मवीर नगर पार्क में नवनिर्मित कम्युनिटी हॉल का निरीक्षण कर अधूरे कार्य को जल्द पूरा करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान पार्षद श्रीमती शिरोमणि शर्मा, श्रीमती उर्मिला मोर्यं, श्री लवकुश यादव, श्री सुभाष पगारे, श्री भीकम सिंह बघेल, श्री राकेश राजपूत, श्री छोटू पंडित और अधिकारी मौजूद रहे।

मुर्ना में बेहोश होने तक मारे डंडे; तीन बार पैर पर पत्थर पटका

मुर्ना/नवप्रदेश। मुर्ना के बैरियर चौराहे पर रविवार (29 जून) दोपहर पंकर दुकान चलाने वाले रामबरन कुशवाहा पुत्र रामकिशन कुशवाहा (40) निवासी कासपुरा को चार युवकों ने सरेआम पीट दिया। हमले के पीछे बेटी से छेड़छाड़ और उसके बाद हुए विवाद की रंजिश बताई जा रही है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। हमलावर लाठी-डंडों और पथरों से रामबरन पर हमला करते हुए देखे जा सकते हैं। बदमाशों ने रामबरन के पैर पर तीन बार पथर भी पटका, जिसके बाद वह बेहोश हो गया।



गुब्बा गांव के धर्मवीर गुर्जर, रंजीत गुर्जर, भूरा गुर्जर और मोनू गुर्जर पहुंचे थे। वहां पर इन चारों ने रामबरन की बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी, जिसका उसने विरोध किया। उस दिन दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज और हाथापाई भी हुई थी।

पंचायत में हुआ था राजीनामा, फिर भी हमला किया

घटना के अगले दिन यानी शनिवार (28 जून) को कासपुरा गांव में पंचायत बुलाई गई थी। दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया था। लेकिन रविवार दोपहर चारों बदमाशों ने शहर के बैरियर चौराहे पर रामबरन को घेर लिया और मारपीट की।

दोनों पक्षों में गाली-गलौज और हाथापाई भी हुई थी

जानकारी के मुताबिक दो दिन पहले रामबरन की दुकान पर

10 मिनट में छात्रा का मर्डर कर भागा आरोपी : नरसिंहपुर जिला अस्पताल में दो गाई

नरसिंहपुर/नवप्रदेश। नरसिंहपुर जिला अस्पताल में 27 जून को एकतरफा प्रेम में सिरफिरे युवक ने 12वीं की छात्रा संस्था चौधरी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पहले उसे पकड़कर चांदे मारे। फिर जमीन पर पटक दिया। इसके बाद लड़की की छाती पर बैठकर चाकू से उसका गला रेत दिया। मात्र 10 मिनट में हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग निकला। अस्पताल के नर्सिंग ऑफिसर नलिन भी वारदात के वक्त मौके पर थे। नलिन ने बताया, काले रंग की शर्ट पहने एक युवक आया। आते ही वह कुर्सी पर बैठी संस्था को पीटने लगा। मैंने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने कहा- बीच में मत बोलो, नहीं तो तुम्हें भी मार दूंगा। मैं पलटा ही था कि उसने चाकू से लड़की को हमला कर दिया। इसके बाद वह भाग गया। वारदात के बाद ट्रॉमा सेंटर में भर्ती मरीजों में से आधे से ज्यादा ने डर के मारे उसी दिन डिस्चार्ज ले लिया।

सहेली की भाभी को देखने का कहकर निकली थी संस्था

नरसिंहपुर में 200 बेड का जिला अस्पताल मुख्य सड़क पर ही है। यहां मेन गेट से अंदर जाते ही बायीं ओर नई बिल्डिंग है। यहां से करीब 30 मीटर दूर ट्रॉमा सेंटर है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, 27 जून की दोपहर करीब 3 बजे रोजाना की तरह सब सामान्य था। सांकेल रोड स्थित पटेल वार्ड निवासी हीरालाल चौधरी की बेटी संस्था चौधरी (19) अस्पताल पहुंची थी। 12वीं की छात्रा संस्था घर पर कहकर आई थी कि अस्पताल के मेटरनिटी वार्ड में भर्ती सहेली की भाभी को देखने जा रही है। आरोपी अभिषेक कोठी उस दिन 12 बजे से अस्पताल में आ-जा रहा था। दोपहर 2ब30 बजे जब संस्था अस्पताल में आई, तो वह महिला वार्ड में गई। वहां से बाहर आते ही अभिषेक संस्था से बात करने की कोशिश करने लगा। दोनों के बीच करीब 5 मिनट तक बातचीत हुई।

रेप के आरोपी पूर्व तहसीलदार का कोर्ट में सरेंडर : ग्वालियर में 5 महीने पहले महिला ने कराया था केस

ग्वालियर/नवप्रदेश। ग्वालियर के तत्कालीन तहसीलदार और रेप के आरोपी शत्रुघ्न सिंह चौहान ने सोमवार को जिला कोर्ट में जज सोनल सिंह जादौन की कोर्ट में सरेंडर कर दिया। साथ ही जमानत भी मांगी है। सरेंडर के बाद कोर्ट ने मामले की सूचना संबंधित थाना को देकर विवेचना अधिकारी को तलब किया है। अभी उन्हें जेल भेजा है या जमानत मिली है यह साफ नहीं हो सका है। शत्रुघ्न सिंह चौहान के वकील विष्णु सिंघल का कहना है कि शत्रुघ्न सिंह चौहान ने जिला कोर्ट में सरेंडर किया है और जमानत के लिए अर्जी लगाई है। महिला ने उन पर जो भी आरोप लगाए हैं, वह बेबुनियाद हैं। महिला पहले भी ऐसा कर चुकी है। वकील ने बताया कि शत्रुघ्न सिंह पर पहले आरोप भी जितने मामले दर्ज थे। वह उसमें दोषमुक्त हो चुके थे, उससे संबंधित दस्तावेज हमने कोर्ट में लगाए हैं। शत्रुघ्न सिंह चौहान पर 15 जनवरी 2025 को 34 साल की एक महिला

ने झंसा देकर रेप करने का आरोप लगाया था। इस पर महिला थाने में रेप का केस भी दर्ज किया गया था। आरोपी के लगातार फरार होने पर पुलिस ने 5 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। महिला का आरोप था कि तत्कालीन तहसीलदार ने उसे साल 2008 से 2025 तक पत्नी बनाकर राब और शारीरिक शोषण किया। हालांकि शत्रुघ्न सिंह चौहान ने इन आरोपों को खारिज किया है।

महिला का आरोप- तहसीलदार की चार पत्नियां

महिला का आरोप है कि आरोपी शत्रुघ्न सिंह ने साल 2008 से 2025 तक कई जगहों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। महिला ने ये भी कहा कि उसे मिलाकर आरोपी तहसीलदार की चार पत्नियां हैं। यह भी दावा में लगाए हैं। शत्रुघ्न सिंह चौहान पर 15 महिला ने मारपीट और धमकाने के आरोप भी

लगाए हैं। महिला का कहना था कि वह मूल रूप से भिंड की रहने वाली है। 2005-06 में उसकी शादी भिंड में हुई थी, लेकिन दो साल बाद उसके पति का देहांत हो गया। 2008 में शत्रुघ्न सिंह चौहान का उसके जेट के पास आना-जाना था। उन्होंने उसके जेट को फायदा पहुंचाकर उसे जबरन हॉसिल किया और शादी का झंसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। महिला का आरोप है कि 10 अगस्त 2008 को भिंड के मानगढ़ गांव में, रात 10:30 बजे उसने शादी का वादा कर उसके साथ संबंध बनाए। इसी साल शत्रुघ्न सिंह चौहान नायब तहसीलदार बने। इसके बाद वह लगातार उसका शारीरिक शोषण करते रहे। 2010 में रतनगढ़ माता मंदिर में सिंदूर भरकर शादी की नौटंकी की। जहां भी उनकी पोस्टिंग हुई, उन्होंने उसे वहां रखा और शारीरिक संबंध बनाए। महिला का कहना है कि 2014 में उसके बेटे का जन्म हुआ था, जो आरोपी का बेटा है।

समृद्ध भारत की शिक्षित पहचान, कौशल विकास : मंत्री टेटवाल

शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था की लैब का किया उद्घाटन

भोपाल/नवप्रदेश। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल ने उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (ITI) में सीमेंस कम्पनी के सीएसआर फण्ड से निर्मित अत्याधुनिक लैब का उद्घाटन किया। इस दौरान जॉईंट डायरेक्टर सुनील कुमार ललावत, व्हाइस चेयरमैन राजेश गर्ग, विधायक श्री अनिल जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ITI में आकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ – मंत्री गौतम टेटवाल

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मे

विद्यार्थी जीवन में आईटीआई करके भविष्य निर्माण के बारे में सोचता था, आज सभी के बीच आकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। मेरी पहचान ITI से है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश सरकार के मुखिया आईटीआई के विकास के लिए सशक्त

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि आईटीआई के माध्यम से छात्र-छात्राओं को सभी अत्याधुनिक ट्रेड के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। जिससे विद्यार्थी स्वरोजगार स्थापित कर,

समर्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आईटीआई के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। समृद्ध भारत की शिक्षित पहचान के तहत सभी छात्र-छात्राओं को सशक्त बनाने के लिए आईटीआई के माध्यम से प्रयोगशालाओं का निर्माण कर उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। जिससे अधिक से अधिक रोजगार स्थापित हो सके।

युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए सरकार हर ट्रेड में प्रशिक्षण की सुविधा दे रही है

मंत्री श्री टेटवाल आईटीआई के माध्यम से सभी छात्र-छात्राओं को

पारंपरिक एवं अत्याधुनिक ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। छात्रों को अत्याधुनिक ट्रेड्स में प्रशिक्षण मिले इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है। सरकार किसी भी प्रकार के प्रशिक्षण में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

युवाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना सरकार का लक्ष्य

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना मध्यप्रदेश सरकार का लक्ष्य है। कौशल विकास के तहत युवा अत्याधुनिक प्रयोगशाला युवाओं को सशक्त बनाने में कारगर

साबित होगी। युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने कौशल विकास के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध संस्थान ग्लोबल स्किल पार्क का निर्माण भोपाल में कराया है। जिसमें छात्र कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। इसमें ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेक्ट्रोनिक्स AR/VR, इंडस्ट्री 4.0, रोबोटीक, ड्रोन टेक्नोलॉजी सहित कई अत्याधुनिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। जिसका सभी को लाभ मिलेगा। ग्लोबल स्किल पार्क में शत प्रतिशत प्लेसमेंट तो होगा ही साथ ही व्यक्ति अपना स्वरोजगार भी स्थापित कर सकेगा। प्रदेश के

युवाओं को सशक्त बनाना सरकार का सर्वोपरि उद्देश्य है।

बेटियां हर क्षेत्र में लहरा रही है परचम

मध्यप्रदेश सरकार हर वर्ग को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। साथ ही बेटियों को भी सशक्त बनाने में अहम योगदान निभा रही है। इसी के चलते प्रदेश में बेटियों को 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया जा रहा है। भारत के बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहराते हुए प्रदेश ही नहीं वल्कि पूरे देश में अपना नाम रोशन कर रही हैं।



न्यूज गैलरी

होमगार्ड व एसडीआरएफ की टीम ने घाट व पुल पुलियाओं का किया निरीक्षण

हरदा/नवप्रदेश। वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सभी पुल पुलियाओं व घाटों पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिये है। साथ ही होमगार्ड व एसडीआरएफ की टीम को लगातार निरीक्षण करने के निर्देश दिये है। डिस्ट्रिक्ट होमगार्ड कमाण्डेंट श्री मयंक जैन ने बताया कि होमगार्ड व एसडीआरएफ के रस्क्यू दल ने सोमवार को खेड़ीपुरा नाका, अजनल नदी, गुप्तेश्वर मंदिर, छोटा पुल, दोगने जी की पुलिया तथा रन्हाई पुलिया का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जिले में लगातार बारिश को ध्यान में रखते हुए होमगार्ड व एसडीआरएफ की टीम को अलर्ट पर रखा गया है।

उपकेन्द्र सुल्तानपुर से संबंधित फीडबै में आज विद्युत प्रदाय अवरुद्ध रहेगा

हरदा/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पाँवर ट्रॉंसमिशन कम्पनी द्वारा 132 के.व्ही. उपकेन्द्र हँडिया में अति आवश्यक सुधार कार्य के कारण 1 जुलाई को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक 132 के.व्ही. सुल्तानपुर से निकलने वाले 33 के.व्ही. फीडरों में विद्युत प्रदाय बंद रहेगा। उप महाप्रबन्धक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी हरदा ने बताया कि इस दौरान 33 के.व्ही. फीडर गहाल-मगरधा से जुड़े 33/11 केव्ही उपकेन्द्र गहाल, झाड़पा व मगरधा, 33 के.व्ही. फीडर मुहालकला से जुड़े उपकेन्द्र मुहालकला व खरड़, 33 के.व्ही फीडर सिराली से जुड़े सिराली व सोनपुरा उपकेन्द्र तथा रहटाकला से जुड़े मंडीसेल व रहटाकला उपकेन्द्र में विद्युत प्रदाय बंद रहेगा।

गौवंश व अन्य पशुओं को सड़कों पर निराश्रित न छोड़ें

हरदा/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने जिले के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सड़कों एवं रास्तों पर आवारा मवेशियों के विचरण करने से आवागमन अवरुद्ध होता है, साथ ही दुर्घटना का भय भी बना रहता है। इस संबंध मुनादी और प्रेस विज्ञापि के माध्यम से गौपालकों को सूचित करें। यदि इसके बाद भी पशुपालकों द्वारा मवेशियों को सड़कों पर छोड़ा जाता है, तो ऐसे निराश्रित मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में बंद किया जाए और इसके बाद गौशाला भेजने की कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्री जैन ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि अपने गौवंश व पशुओं को सड़कों पर निराश्रित न छोड़े। इससे आवागमन अवरूद्ध होता है तथा दुर्घटना का भय बना रहता है। उन्होंने बताया कि यदि सड़कों पर निराश्रित मवेशी विचरण करते पाये जाते है तो नगर पालिका द्वारा मवेशियों को कांजीहाउस में बंद कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कराया डग्वेल निर्माण

हरदा/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित «जल गंगा संवर्धन अभियान» ने प्रदेश के किसानों के जीवन में आशाजनक बदलाव लाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हरदा जिले की ग्राम पंचायत करनपुर निवासी श्री मोहनलाल राधाकिशन ने कूप के पास डग्वेल का निर्माण कराया है, जिससे उनके कुएं में वर्षा के पानी को डग्वेल में एकत्रित कर कुएं में डाला जा रहा है। इस कार्य से उनके कुएं में जल स्तर में सुधार आया है। हितग्राही मोहनलाल को मनरेगा योजना के तहत जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान जल के महत्व को समझाया गया तथा भू-जल को बढ़ने के लिये प्रेरित किया गया। पानी के महत्व को समझते हुए हितग्राही ने अपने आस पास के अन्य किसानो एवं आमजन को भी पानी को बचाने एवं डग्वेल निर्माण के लाभ के संबंध में प्रेरित किया। जमीन के अंदर जल स्तर बढ़ने से फसलों को पानी की अधिक उपलब्धता हो सकेगी। किसान मोहनलाल ने बताया कि डग्वेल निर्माण करने से जल स्तर में वृद्धि होगी, जिससे उसे मृग एवं अन्य फसलों का लाभ होगा। हितग्राही श्री मोहनलाल प्रदेश के डग्वेल निर्माण के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दिल से आभार व्यक्त करते है।

खाद दुकानों का कलेक्टर सूर्यवंशी ने किया औचक निरीक्षण

अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

बैतूल/नवप्रदेश। जिले में खाद की उपलब्धता एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर ने सोमवार को जिले की निजी खाद दुकानों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण की शुरुआत जिला मुख्यालय स्थित बडोरा में सिद्धि विनायक कृषि सेवा नामक दुकान से की गई , जहां उन्होंने स्टॉक रजिस्टर, विक्रय बिलों तथा पीओएस मशीन

से रैंडम रूप से निकाले गए बिलों का मिलान किया। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित किसानों से उर्वरक की उपलब्धता व वितरण प्रक्रिया की जानकारी भी ली।

इसके उपरांत कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने दुकान के गोदाम का निरीक्षण कर यूरिया के भंडारण की स्थिति देखी तथा पोटल पर दर्ज



स्टॉक की तुलना वास्तविक उपलब्धता से करवाई।

निरीक्षण का क्रम आगे बढ़ते हुए वे ग्राम भडूस पहुंचे , जहां उन्होंने ग्री च्योर फर्म की खाद दुकान का गोदाम खुलवाकर स्टॉक की जांच की। इस दौरान पीओएस मशीन से उर्वरक का वितरण नहीं पाया गया और स्टॉक में भी कमी पाई गई।

जिस पर कलेक्टर ने दुकान संचालक के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश उप संचालक कृषि को दिए। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि डॉ. आनंद कुमार बड़ोनिया भी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को निर्देश दिए कि यदि जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पौधारोपण कर जल गंगा संवर्धन अभियान का किया समापन

आमला विधानसभा में 8 करोड़ 87 लाख की सड़क परियोजना का किया भूमिपूजन

बैतूल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान का राज्य स्तरीय समापन खंडवा जिले में हुआ। इस अभियान के समापन अवसर पर बैतूल जिले के आमला विकासखंड स्थित ग्राम अन्नधारिया में एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उर्डके, विधायक बैतूल श्री हेमंत खंडेलवाल, विधायक आमला डॉ. योगेश पंडाग्रे, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देशमुख, मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पंवार, श्री सुधाकर पवार, ग्राम सरपंच श्रीमती मौनावती गडेकर



उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने आमला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नाहिया से अधारिया होते हुए नांदपुर तक 8 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़क परियोजना का भूमिपूजन किया।कार्यक्रम के दौरान

पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया है। इस अभियान से हमारा वर्तमान और भविष्य दोनों सुरक्षित रहेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ग्रामीणों द्वारा विगत कई समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। आमला विधायक श्री डॉ.योगेश पंडाग्रे के अथक प्रयासों से नाहिया से अधारिया होते हुए नांदपुर तक 8 करोड़ 87 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य होगा। बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने ग्रामीणों को सड़कों की सौगात

मिलने पर बधाई दी तथा देश सेवा में अपना पराक्रम दिखाने वाले ग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक डॉ.पंडाग्रे ने अपने जन्मदिन पर किया पौधारोपण इस कार्यक्रम की शुरुआत 101

पौधों की पूजा-अर्चना से की गई, जहां विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने अपने जन्मदिवस के मौके पर पौधारोपण कर कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाते हुए नागरिकों से पौधारोपण की अपील की और कार्यक्रम में भाग लेने वालों को पौधे वितरित किए। मुख्य अतिथि श्री मोहन नागर ने इस अवसर पर अभियान के सफलता की सराहना की और प्रदेशवासियों से एक पेड़ मां के नाम का संकल्प लेने का आह्वान किया, ताकि प्रदेश की हरियाली में वृद्धि हो सके और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े। कार्यक्रम में म.प्र.

जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी, ब्लॉक समन्वयक श्री अरविंद

ग्रामों की संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि निजी दुकानों और समितियों का कृषि विभाग के अमले द्वारा सतत निरीक्षण किया जाए। जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने कहा कि किसानों को खरीफ फसलों और उसमें लगने वाले उर्वरक की मात्रा के संबंध में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी दी जाए।

आगामी दो दिन में जिले को मिलेगा लगभग 5 हजार मीट्रिक टन यूरिया, उर्वरकों की आपूर्ति सतत जारी

केंद्रीय मंत्री उर्डके, विधायक खंडेलवाल और विधायक देशमुख ने की खाद की उपलब्धता और वितरण की समीक्षा

बैतूल/नवप्रदेश। केन्द्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य श्री दुर्गादास उर्डके, विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल और विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ जिले में खाद की उपलब्धता और वितरण की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में श्री सुधाकर पवार तथा कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, सीईओ जिला पंचायत श्री अश्वत जैन, उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता, सीईओ जिला सहकारी बैंक सहित सभी एसडीओ कृषि तथा एसीटीओ उपस्थित रहे। बैठक में उप संचालक कृषि ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में उर्वरकों की आपूर्ति सतत जारी हैं। आगामी दो दिनों में जिले को 2640 - 2640 मीट्रिक टन की 2 रैक प्राप्त होगी, जिससे 5 हजार से अधिक उर्वरक जिले को प्राप्त होगा। मांग



अनुसार जिले को उर्वरक सतत प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले बार जहां 39 हजार 253 मीट्रिक टन का वितरण हुआ था। वहीं इस बार अभी तक 46 हजार 307 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है। जिले में आज की स्थिति में 5 हजार 804 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है।

केंद्रीय मंत्री श्री उर्डके ने कहा कि जिले में किसानों को खाद बीज

मिलने में समस्या न जाए। निजी दुकानों द्वारा जमाखोरी न की जाए और किसानों को पूरी पारदर्शिता और सुगमता से खाद प्राप्त हो। बैठक में विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने उर्वरक वितरण को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि जिले की समस्त निजी विक्रेता दुकानों और समितियों पर उपलब्ध खाद की मात्रा के बोर्ड लगाए जाएं। जिसमें उर्वरक

प्रथम पेज का शेष

क्रिक्स शिखर सम्मेलन ... खनिज और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कुछ समोझौता जापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।»

सचिव (दक्षिण) नीना मल्होत्रा ने कहा, «प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के निमंत्रण पर श्री मोदी 3-4 जुलाई, 2025 से त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह श्री मोदी की प्रधानमंत्री के रूप में त्रिनिदाद और टोबैगो की पहली यात्रा है, और 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। यह यात्रा एक उपयुक्त समय पर हुई है, क्योंकि इस वर्ष, 2025 में, देश त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों के आगमन के 180 वर्ष पूरे होने की याद में है। बताया गया है कि वर्तमान में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों भारतीय मूल के हैं, संयोग से, दोनों महिलाएं हैं, दोनों वकील हैं, और दोनों को अपनी भारतीय जड़ों और विरासत पर गर्व की गहरी भावना है, और वे खुद को भारत की बेटियों के रूप में वर्णित करते हैं।

तेलंगाणा में भाजपा को ...

पाटी के समर्पित मतदाता भी सदमे में हैं। ऐसे समय में जब भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने की दहलीज पर है, इस प्रकार का निगम्य पाटी की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पदों के पीछे से फैसले करवा रहे हैं और व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देकर पाटी के केंद्रीय नेतृत्व को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, इससे न केवल जमीनी कार्यकर्ताओं के त्याग

का अपमान होता है, बल्कि पाटी को ऐसे झटकों की ओर ले जाता है, जिन्हें टाला जा सकता था। टी राजा सिंह ने तीन बार विधायक बनने का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पाटी के लिए पूरी निष्ठा से काम किया, लेकिन अब वह चुप नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, यह फैसला किसी निजी महत्वाकांक्षा के कारण नहीं लिया गया है, बल्कि यह लाखों समर्पित कार्यकर्ताओं और समर्थकों की पीड़ा और निराशा की आवाज है।

लाखों भक्तों की आस्था और श्रद्धा

आध्यात्म का पवित्र केन्द्र है। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलान्वट, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग एवं प्रभारी मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, बुरहानपुर विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, महापौर श्रीमती अमृता यादव, विधायक श्री कचन तनवे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

म.प्र. में सीएम यादव के नेतृत्व

के अंतर्गत प्रदेश में तीस हजार एकड़ से अधिक भूमि पर फलोद्यान विकसित करने की योजना, मातृभक्ति-पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक साक्षिकरण को एक साथ जोड़ने की सराहनीय पहल है। यह कार्यक्रम नदियों के किनारे हरियाली बढ़ाने और भू-जल स्तर सुधारने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में विभिन्न योजनाओं और निर्णयों में जल संरक्षण से जुड़े पहलुओं को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी गई है। नमामि गंगे मिशन हो, केन-बेतवा लिंक परियोजना हो या नर्मदा-क्षिप्रा पुनर्जीवन की पहल, हम जल संरक्षण व पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। जल संरक्षण आज हमारी सामाजिक और आर्थिक जरूरत भी है, क्योंकि जल संरक्षित रहेगा तो हमारे किसान खुशहाल रहेंगे, उद्योग चलेंगे और सभी प्राणियों का जीवन सुरक्षित रहेगा। अमृतकाल में एक भव्य व विकसित भारत के निर्माण की ओर अग्रसर हमारे प्रयासों को देश की सामूहिकता की शक्ति एक नई ऊंचाई देगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वर्षा ऋतु में जल संरक्षण व वृक्षारोपण के लिए देशवासियों के प्रयास देश की उन्नति में सहायक होंगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी आधुनिक युग के भागीरथ = मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को एक नहीं, तीन राष्ट्रीय नदी जोड़े परियोजनाओं की सौगात दी है, जो भविष्य में देश-प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन की नई दिशा तय करेंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी को वर्तमान युग का भागीरथ बताया। उनके नेतृत्व और दृष्टि ने जल संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदल दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ी पड़वा 30 मार्च से 30 जून तक सभी जिलों में जल स्रोतों के जल संरक्षण व वृक्षारोपण के लिए देशवासियों में मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण एवं जल संरचाओं

का जीर्णोद्धार किया गया। जल स्रोतों के संरक्षण में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सहयोग मिला, वे जल संवर्धन के संवाहक बने हैं। कुल 38 हजार नए खेत तालाब बनाए गए हैं। अकेले खंडवा जिले में 254 करोड़ की लागत से 1 लाख से अधिक कुएं रिचार्ज किए गए। इसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान मिला है। आज इंदौर संभाग स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर-एक है। प्रदेशभर में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया है।

पीएम-अभीम सहित 15वें

विस्तार योजनाओं की प्रगति की भी जानकारी ली और कहा कि जनहित की इन योजनाओं में समय पर गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विधायकों, सांसदों, जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, औद्योगिक समूहों, स्वयंसेवी संगठनों एवं समाजसेवियों से «निक्षय मित्र» के रूप में जुड़ने की अपील की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि टीबी से ग्रसित मरीजों के उपचार एवं पोषण में सहयोग देने के लिए ‘निक्षय मित्र’ बनकर समाज का हर व्यक्ति समाज के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का निर्वहन कर सकता है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा का माध्यम है।



न्यूज गैलरी

दो पहिया वाहनों को लेकर सरकार का बड़ा कदम, जारी किया नोटिफिकेशन



नई दिल्ली। सरकार ने सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से दोपहिया वाहनों के लिए नए महत्वपूर्ण नियम प्रस्तावित किए हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी एक मसौदा अधिसूचना के अनुसार, नए नियम के तहत दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम लगाना भी आवश्यक होगा।मौजूदा हालात में, दोपहिया वाहन चालक के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है, लेकिन अक्सर पीछे बैठने वाले यात्री के लिए यह नियम सख्ती से लागू नहीं होता। इस नए प्रस्ताव के अनुसार, वाहन खरीदने के समय निर्माता दो हेलमेट प्रदान करेंगा, जो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित विनिर्देशों के अनुरूप होंगे। इससे न केवल चालक बल्कि पीछे बैठे यात्री की भी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। यह कदम दुर्घटना के दौरान फिर की चोटों को कम करने में मददगार साबित होगा।यह नियम केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में प्रस्तावित संशोधन के तहत लागू होगा और आधिकारिक राजपत्र में इसे प्रकाशित किए जाने के तीन महीने के भीतर प्रभावी हो जाएगा। हालांकि, मोटर वाहन अधिनियम की धारा 129 के तहत कुछ व्यक्तियों को इस नियम से छूट दी जाएगी। सड़क सुरक्षा के एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू के रूप में, 1 जनवरी 2026 से सभी नए रु श्रेणी के दोपहिया वाहन, जिनकी इंजन क्षमता 50 सीसी से अधिक या अधिकतम गति 50 किमी/घंटा से अधिक है, उन्हें एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ड्रस्) से लैस होना अनिवार्य होगा।ड्रस् के कारण अचानक ब्रेक लगाने पर पहिये लॉक नहीं होंगे, जिससे वाहन का नियंत्रण बेहतर होगा और रिक्रिडिंग या फिसलने की संभावना कम हो जाएगी। यह ड्रस् भारतीय मानक ड्रस्14664-2010 के अनुरूप होगा, जो इसके प्रदर्शन और सुरक्षा को सुनिश्चित करता है।सरकार ने इन प्रस्तावित नियमों को जनता और संबंधित हितधारकों के सुझाव और आपत्तियों के लिए 30 दिनों के लिए खोल रखा है। डिज्जुक व्यक्ति या संस्थान अपने सुझाव पर ईमेल द्वारा भेज सकते हैं। इससे सरकार को नियमों को और बेहतर बनाने और व्यापक सहमति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह प्रस्तावित नियम दोपहिया वाहन चालक और यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। दो हेलमेट की अनिवार्यता से सवार सभी व्यक्तियों की सुरक्षा बढ़ेगी और ड्रस् के उपयोग से ब्रेकिंग के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी।

प्राइम मेंबर्स के लिए खास तौर पर तैयार, नई लॉन्चिंग्स, धमाकेदार डील्स, जबरदस्त एंटरटेनमेंट और ढेर सारी शानदार पेशकशें

अमेजन इंडिया ने प्राइम डे 2025 की घोषणा की: 12 से 14 जुलाई तक तीन दिन, शानदार डील्स और बढ़ी

बेंगलुरु। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की कि प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाएगा। यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12:00 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक चलेगी। इन 72 घंटों में प्राइम मेंबर्स के लिए जबरदस्त डील्स, शानदार बचत, नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव एंटरटेनमेंट का मज़ा मिलेगा, और यह सब कुछ खासतौर पर प्राइम ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगा, जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे। साथ ही, प्रमुख बैकिंग पार्टनर्स की ओर से मिलने वाले खास ऑफर्स का भी लाभ उठा सकेंगे। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स, एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स और आईसीआईसीआई व एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स पर ईएमआई के जरिए भुगतान करके 10%प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं। इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से भी ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के हजारों नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग पर एक्सक्लूसिव अल्टी एक्सेस मिलेगा। इसके अलावा, छोटे और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) के उत्पाद भी खास ऑफर्स के साथ उपलब्ध होंगे। तीन दिन चलने वाला यह वार्षिक उत्सव प्राइम सदस्यों के लिए शानदार डील्स, धमाकेदार एंटरटेनमेंट, जबरदस्त बचत और ढेर सारी खास पेशकशें लेकर आ रहा है। स्मार्टफेन्स, टीवी, अप्लायसेज, फैशन और ब्यूटी, ग्रांसीर और डेली एंसेंशियल्स, अमेज़न डिवाइसेज, होम व किचन प्रोडक्ट्स, फर्नीचर और बहुत कुछ, हर कैटेगरी में मिलेगा बेहतरीन शॉपिंग का अनुभव और बड़ी बचत।

भारत और उभरते बाजारों के लिए प्राइम, डिजीवरी और रितन्स निदेशक अश्वय साही ने कहा, “प्राइम डे हमेशा से हमारे सदस्यों के लिए एक उत्सव रहा है डू जहां उन्हें नई लॉन्चिंग्स, बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का अनुभव मिलता है, वो भी तेज़ डिजीवरी के साथ। इस साल, पहली बार हम प्राइम डे को तीन पूरे दिनों तक बढ़ा रहे हैं, जिससे हमारे सदस्यों को शॉपिंग, सेविंग और मनोरंजन का आनंद लेने के लिए और भी ज्यादा समय मिलेगा। हमें इस बार की जबरदस्त रेंज, नई पेशकशों और शानदार डील्स को लेकर बेहद खुशी है, जो हमने

खासतौर पर अपने प्राइम मेंबर्स के लिए तैयार की हैं।

प्राइम डे 2025 की एक खास झलक

- 72 घंटे की जबरदस्त शॉपिंग और बचत: यह सेल 12 जुलाई की रात 12:00 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक चलेगी, यानी पूरे 72 घंटे तक शॉपिंग और सेविंग का बेहतरीन मौका।

- नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव डील्स का मौका: इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स जैसे डू हाल्लें डेविडसन, सैमसंग, इंटेल्, वनप्लस, आईक्यूओओ, एचपी, आसुस, बोट, लेनोवो, मोकोबारा, अमेरिकन टूरिस्टर, प्युमा, एंडिडास, लिबास, वैन ह्यूसेन, एलन सॉली, ग्यूपसपीए, बोरोसिल, अगरो, एटमबर्ग, क्रॉमप्टन और कई अन्य की हजारों नई प्रोडक्ट

लॉन्चिंग्स पर अल्टी एक्सेस मिलेगा। प्राइम मेंबर्स को लाखों विक्रेताओं, निर्माताओं, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों, कारीगरों और बुनकरों द्वारा पेश किए गए प्रोडक्ट्स की भी खास रेंज देखने को मिलेगी। फूट, अल्पिनो और इंडिजिनियस हनी जैसे 190 से ज्यादा एसएमबी की ओर से होम और किचन, फैशन, स्क्रूमिंग, ज्वेलरी, हैंडमेड आदि कैटेगरी में 1600 से अधिक नई प्रोडक्ट लॉन्चिंग्स उपलब्ध होंगी।

- तेज और मुफ्त डिजीवरी का लाभ: प्राइम मेंबर्स को 10 लाख से ज्यादा प्रोडक्ट्स पर सेम-डे डिजीवरी और 40 लाख से ज्यादा प्रोडक्ट्स पर नेक्स्ट-डे डिजीवरी मिलेगी। चाहे बात हो आईलाइनर की, बेबी प्रोडक्ट्स की, गार्डन टूल्स, घड़ियों, मोबाइल फ़ेन्स या किसी भी जरूरी सामान की डू सब कुछ मिलेगा फ़ास्ट और फ़्री डिजीवरी के साथ।

ट्राई रिपोर्-मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी के 14 मिलियन अनुरोध, वायरलेस ग्राहकों की संख्या में मामूली वृद्धि

भारत में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या मई में 3.37 प्रतिशत बढ़कर 974.87 मिलियन हुई

नई दिल्ली। ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की कुल संख्या अप्रैल के अंत में 943.09 मिलियन से 3.37 प्रतिशत बढ़कर मई के अंत में 974.87 मिलियन हो गई। यानी ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक आधार पर 3.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह जानकारी शुक्रवार को ट्राई के द्वारा जारी आंकड़ों से मिली।मई महीने में 14.03 मिलियन ग्राहकों ने मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) के लिए अनुरोध भेजा। वहीं बता दें कि मई 2025 में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की संख्या 1,080.06 मिलियन थी।कुल वायरलेस (मोबाइल + 5त एफडब्ल्यूए) ग्राहक अप्रैल 2025 के अंत में 1,166.43 मिलियन थे जो मई 2025 के अंत में बढ़कर 1,168.42 मिलियन हो गए, यानी मासिक वृद्धि दर 0.17 प्रतिशत रहा।शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जो 30 अप्रैल,



2025 को 633.29 मिलियन थी वह 31 मई, 2025 को बढ़कर 634.91 मिलियन हो गई।इस अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सदस्यता भी 533.14 मिलियन से बढ़कर 533.51 मिलियन हो गई। संघर्ष मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, शहरी और

ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.25 प्रतिशत और 0.07 प्रतिशत रही।

भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व अप्रैल के अंत में 82.01 प्रतिशत से बढ़कर मई के अंत में

82.10 प्रतिशत हो गया।शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अप्रैल के अंत में 123.85 प्रतिशत से बढ़कर मई के अंत में 124.03 प्रतिशत हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व 58.57 प्रतिशत से बढ़कर 58.58 प्रतिशत हो गया।मई के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.30 प्रतिशत और 45.70 प्रतिशत थी।आंकड़ों के अनुसार, 31 मई तक, निजी एक्सेस सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) ग्राहक आधार का 92.14 प्रतिशत बाजार हिस्सा था, जबकि दो पीएसयू एक्सेस सेवा प्रदाताओं, बीएसएनएल और एमटीएनएल की बाजार हिस्सेदारी 7.86 प्रतिशत थी।मशीन-टू-मशीन (एम2एम) सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या अप्रैल 2025 के अंत में 69.87 मिलियन से बढ़कर मई 2025 के अंत में 73.91 मिलियन हो गई।

खेल, मनोरंजन

डेब्यू मैच में धमाका, 19 वर्षीय बल्लेबाज ने जावेद मियांदाद का 49 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

0-जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका

नईदिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के 19 वर्षीय युवा बल्लेबाज लुहान डे प्रिटोरियस ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट में 153 रनों की पारी खेलकर इतिहास रच दिया. उन्होंने शनिवार, 28 जून को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराते हुए टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में 150 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए.

लुहान ने क्रीस स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल की और पाकिस्तान के पूर्व स्टार जावेद मियांदाद द्वारा बनाए गए 49 साल पुराने रिकॉर्ड को

तोड़ दिया. 19 साल और 93 दिन की उम्र वाले लुहान प्रीटोरियस ने 160 गेंदों पर 153 रनों की शानदार पारी खेली. जबकि पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज जावेद मियांदाद ने ये कारनामा 19 साल और 119 दिन की उम्र में अंजाम दिया था. जब उन्होंने 1976 में लाहौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू करते हुए 163 रनों की पारी खेली थी.

इसके अलावा लुहान डे प्रिटोरियस टेस्ट शतक बनाने वाले दक्षिण अफ्रीकी के सबसे कम उम्र खिलाड़ी बन गए हैं, और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में डेब्यू शतक बनाने वाले दुनिया के पांचवें सबसे कम उम्र खिलाड़ी हैं.युवा बल्लेबाज की पारी काफी साहसी



और शानदार रही है, क्योंकि वो उस समय बल्लेबाजी करने आए थे जब टीम दबाव में थी और दक्षिण अफ्रीका 23/3 और बाद में 55/4 पर संघर्ष कर रहा था. इसके बाद इस युवा खिलाड़ी ने ब्रेविस के साथ 5वें विकेट के

लिए 88 गेंदों पर 95 रनों की साझेदारी की. ब्रेविस ने 38 गेंदों पर 51 रन बनाए, जिसमें चार छक्के शामिल थे और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट डेब्यू करने वाले खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड अपने नाम

कर लिया.प्रीटोरियस ने मैच के बाद कहा, जब मैं मैदान पर आया तो मैं घबराया हुआ था, हमें पता था कि उनके पास सिर्फ दो सीमर हैं, और हमने स्पिनरों को निशाना बनाया, मुझे बल्लेबाजी करना बहुत पसंद है. आज यह कारगर रहा. प्रीटोरियस ने सिर्फ 112 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 157 गेंदों में 150 रन पूरे किए.मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट मैच के पहले दिन 9 विकेट के नुकसान पर 418 रन बना लिए हैं. कॉर्बिन बोश ने नाबाद 100 रनों की पारी खेली, जो कि सिर्फ 124 गेंदों में आई और ये उनका पहला टेस्ट शतक था. उनके साथ क्रेना मफाका 9 बनाकर खेल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान का फूटा गुस्सा

अंपायरों को भी गलतियों पर मिले सजा

नईदिल्ली। तीन मैच की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज को वेस्टिन्टन ओवल, ब्रिजटाउन, बारबाडोस में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 159 रनों से हार का सामना करना पड़ा. पहली पारी में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया को 180 के स्कोर पर ऑल आउट करने के बाद भी मेजबान टीम मैच जीतने से चूक गई.हार के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस का गुस्सा अंपायरों पर निकला और अंपायरिंग की आलोचना करते हुए गलत फैसले देने पर अंपायरों को भी सजा देने की मांग कर दी, क्योंकि क्योंकि एक गलत फैसला खिलाड़ी के करियर को बना या बिगाड़

सकता है.चेस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फेंस में कहा, मैच अधिकारियों को कभी कुछ नहीं होता. वे बस गलत या सदिग्ध निर्णय लेते हैं, और जीवन चलता रहता है. जबकि आप लोगों के करियर के बारे में बात कर रहे हैं. एक गलत निर्णय किसी व्यक्ति के करियर को बना या बिगाड़ सकता है. मुझे लगता है कि जब खिलाड़ी लाइन से बाहर निकलते हैं, तो उन्हें दंडित किया जाना चाहिए. मुझे लगता है कि जब खिलाड़ियों के खिलाफ कोई गलत निर्णय होता है, तो फिर अंपायरों पर भी कुछ जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

आर माधवन और फातिमा सना शेख की फिल्म आप जैसा कोई का पहला गाना जब तू सजन रिलीज़

एक्टर आर माधवन ने अपनी आगामी नेटफ्लिक्स रोमांटिक ड्रामा सीरीज, आप जैसा कोई, का पहला गाना जब तू सजन रिलीज कर दिया है, औरउन्होंने इस गाने को लेकर अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, वो एक गाना जिसका मुझे बेसन्नी से इंतज़ार थाज अब आपकेलिए! सुनिए और बताइए क्या मैं सही हूँ।इस दिल को छू लेने वाले गीत को रोचक कोहली ने संगीतबद्ध किया है, मोहित चौहान ने अपनी सुरीली आवाज़ दी है, और इसके भावपूर्ण बोलगुरप्रीत सैनी ने लिखे हैं। जब तू सजन सच्चे, गहरे और सुकून देने वाले प्यार की कहानी कहता है – ऐसा प्यार जो आत्मा को छू जाए और जीवनका हिस्सा बन जाए।गाने में आर माधवन और फातिमा सना शेख की जोड़ी दिखाई देती है, जिनके बीच की कोमल केमिस्ट्री इस गाने की भावनात्मक गहराई को और भीप्रभावशाली बनाती है। आप जैसा कोई की कहानी पारंपरिक सोच और आधुनिक जीवनशैली के टकराव को दर्शाती है, जहां दो विपरीत स्वभाव केकिरदार-श्रीरेणु और मधु-एक-दूसरे के जीवन से जुड़ते हैं।यह सीरीज माधवन के लिए एक अहम



वापसी है, जहाँ वे एक रोमांटिक किरदार में नजर आएंगे। उनके अभिनय में अनुभव और भावनाओं की गहराई है, जो इस प्रेम कहानी को एक अलग ऊंचाई पर ले जाती है।नेटफ्लिक्स पर जल्द स्ट्रीम होने वाली आप जैसा कोई न सिर्फ एक रोमांटिक ड्रामा है, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी है जो दिल से जुड़ती है। जबतू सजन इस सफर की खूबसूरत शुरुआत है और यकीनन श्रोताओं के दिलों में अपनी खास जगह बनाएगा।यह गाना अब सोनी म्यूज़िक इंडिया के बैनर तले सभी म्यूज़िक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

द हंट : द राजीव गांधी एसोसिनेशन केस का ट्रेलर जारी, 4 जुलाई से सोनी लिव पर देखें सीरीज

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव ने अपनी नई वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम द हंट: द राजीव गांधी एसोसिनेशन केस रखा गया है। इस सीरीज में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड से जुड़ी घटनाओं, साजिश और उसके पीछे छिपी सच्चाई को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में अमित सियाल, साहिल वैद और भगवती परेमल जैसे कलाकार मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। आइए जानें आप यह सीरीज कब और कहाँ देख सकते हैं। द हंट: द राजीव गांधी एसोसिनेशन केस का प्रीमियर 4 जुलाई से सोनी लिव पर होने वाला है। नागेश कुकुनूर ने इस सीरीज के निर्देशन की कमान संभाली है। निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, वह हत्या जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। वह मैंनेहंट जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। दानिश इकबाल, गिरीश शर्मा, विद्युत गार्गी और शफीक मुस्तफा जैसे सितारे भी इस सीरीज में अपनी अदाकारी का तड़का लगाने वाले हैं।

सीमाओं और सियासत से परे एक राजनयिक की जंग-एक बेगुनाह को बचाने की कोशिश-‘द डिजोमेट’ सिर्फसोनी मैक्स पर

मुंबई/नवप्रदेश। भारत के प्रमुख हिंदी मूवी चैनल सोनी मैक्स दर्शकों के लिए एक जबरदस्त थ्रिलर लेकर आ रहा है द डिजोमेट, जिसका प्रीमियर होगा 29 जून, दोपहर 1 बजे, सिर्फसोनी मैक्स पर। यह हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर एक सच्ची घटना पर आधारित है और इसमें जॉन अब्राहम ने एक भारतीय राजनयिक एन. पी. सिंह की भूमिका निभाई है, जो पाकिस्तान में तैनात हैं। यह फिल्म उज्जमा अहमद के मामले पर आधारित है डू एक भारतीय महिला जो दावा करती है कि उसे जबरन शादी में फंसाया गया और बाद में वह महिला भारतीय दूतावास में शरण लेती



न्यूज गैलरी

फील्ड अधिकारियों को दिन में एक बार हाजिरी लगानी होगी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मैदानी अधिकारियों के लिए सैलफी अटेंडेंस को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब फील्ड अधिकारियों जिनमें जे.ई. एवं उससे ऊपर के अधिकारी शामिल हैं, को दो बार उपस्थिति दर्ज करने के स्थान पर दिन में कार्यालयीन समय में एक बार उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कंपनी ने कहा है कि निबंधी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की बढ़ती चुनौतियों एवं कार्य आवश्यकताओं को देखते हुए यह पाया गया है कि फील्ड अधिकारी अक्सर रखरखाव, विद्युत आपूर्ति और अधोसंरचना संबंधी कार्यों के लिए मैदानी भ्रमण पर रहते हैं, जिससे वे उपस्थिति समन्व-सारणी का पालन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में फील्ड कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये और अधिकारियों की मैदानी आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि ऑपरेशन एवं मटेनेंस (ओएंडएम), एसटीएम/एसटीसी/, सतर्कता, बीआई सेल तथा सिविल विभागों में फील्ड ड्यूटी पर तैनात कनिष्ठ अभियंता (जेई) एवं उससे ऊपर के अधिकारियों को ‘अटेंडेंस पोर्टल 2.0’ पर दो बार सैलफी उपस्थिति दर्ज करने की अनिवार्यता से छूट प्रदान की जाए। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि फील्ड ड्यूटी पर लगे जे.ई. एवं उससे ऊपर के फील्ड अधिकारी किसी भी सुविधाजनक समय पर केवल एक बार उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। हालांकि कॉर्पोरेट कार्यालय में पदस्थ अधिकारी या फील्ड इकाइयों में केवल कार्यालयीन कार्य कर रहे अधिकारी, पूर्ववत दो बार उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली का पालन पूर्ववत- करते रहेंगे। अन्य सभी कर्मचारियों, जिनमें आउटसोर्स कर्मचारी भी शामिल हैं, पर प्रचलित उपस्थिति प्रणाली प्रातः 10:00 बजे तक पंच-इन तथा शाम 6:00 बजे तक पंच-आउट करेंगे। कार्यविधि 8 घंटे की लागू रहेगी। कंपनी ने कहा है कि यह छूट केवल फील्ड गतिविधियों के सुचारु संचालन के लिए है तथा यह सुविधा कार्मिकों के कार्यस्थल पर उपस्थित रहने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करती। यह व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 01 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी।

भोपाल में खंभे से टकराई कार, एडवोकेट की मौत

चित्रकूट नगर भानपुर की घटना, बारिश के कारण कांच में जम चुकी थी फॉग

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के छोला मंदिर इलाके के चित्रकूट नगर भानपुर में कार खंभे से टकरा गई। हादसे के समय रिश्तिम बारिश थी, जिस कारण कार के ग्लास में अंदर से फॉग जम चुकी थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पीएम कराकर शव परिजनों के हवाले कर दिया है। छोला मंदिर थाने के एसआई शिवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि चित्रकूट नगर फेस-2 भानपुर निवासी चेतन ठाकुर (29) पुत्र स्व. रतन सिंह एखवोकेट थे और जिला अदालत में प्रेजिंटस करते थे। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे वह अपनी कार से नादरा बस स्टैंड होते हुए घर लौट रहे थे। तभी उनकी कार छोला थाना के पास मेन रोड के किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। पुलिस का मानना है कि बारिश के कारण कार के ग्लास में फॉग जम गया था। जिससे चेतन स?क को सही से नहीं देख सके। घटना के बाद चेतन को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार के इकलौते बेटे थे

मृतक चेतन दो बहनों का इकलौता भाई था, दोनों बहने शादीशुदा हैं। पिता की मौत के बाद मां को रेलवे में अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। वह अपनी मां के साथ रह रहा थे। परिजन शादी के लिए ल?की की तलाश कर रहे थे।

उच्च शिक्षा सुधार की दिशा में ऐतिहासिक पहल

भोपाल/नवप्रदेश। उच्च शिक्षा प्रणाली को राष्ट्रीय और वैश्विक मानकों पर पुनर्गठित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा अनुसार ‘सर्वोच्च परामर्शदायी समिति’ (Ape& Advisory Committee) के गठन के आदेश जारी किए गए हैं। यह समिति उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्य करेगी, यह पहल ‘कर्मयोगी बनें’ कार्यक्रम की अनुक्रमिक कड़ी है। समिति के अध्यक्ष उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्द्र सिंह परमार और सदस्य सचिव; अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन नामित किए गए हैं। समिति में डॉ. के. राधाकृष्णन चेयरमैन, बोर्ड ऑफ गवर्नेंस, आईआईटी कानपुर, प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे चेयरमैन, NAAC बेंगलुरु, प्रो. सतिश्री धूलितपुडी पंडित कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, प्रो. आर. बालासुब्रमण्यम सदस्य , कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन, मिशन कर्मयोगी, भारत सरकार, प्रो. भरत भास्कर, निदेशक, आईआईएम अहमदाबाद, प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, यूजीसी, भारत सरकार, डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर वैश्विक शिक्षाविद व ग्लोबल कन्वीनर यूनाइटेड कांशसनेस, प्रो. गोविंदन रागराज निदेशक, आईआईएससी, बेंगलुरु सदस्य नामित किए गए हैं एवं अपर मुख्य सचिव राजभवन श्री के.सी. गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव विशेष आमंत्रित सदस्य नामित हैं। प्रधानमंत्री के ‘विकसित भारत 2047’ के विजन में मध्यप्रदेश के योगदान से की दिशा में यह ‘सर्वोच्च परामर्शदायी समिति’ देशक आधार प्रदान करेगी। ‘सर्वोच्च परामर्शदायी समिति’ ‘कर्मयोगी बनें’ कार्यक्रम से प्राप्त विचारों का विश्लेषण कर ऐसी नीतियाँ सुझायेगी, जिससे एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का विकास हो जो

भोपाल में बोले जयवर्धन-जीतू के खिलाफ दर्ज एफआईआर

फर्जी: पुलिस-प्रशासन पर पीड़ित को धमकाने का लगाया आरोप

8 जुलाई को अशोक नगर थाने पर देंगे गिरफ्तारी

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने मीडिया से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के खिलाफ अशोकनगर जिले में दर्ज की गई एफआईआर को फर्जी बताया। साथ ही उन्होंने अशोकनगर एसपी और मुंगावली थाना क्षेत्र के टीआई पर आरोप लगाते हुए एफआईआर वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर 7 जुलाई तक एफआईआर वापस नहीं ली जाती है, तो 8 जुलाई को पूरी कांग्रेस अशोकनगर थाने जाकर गिरफ्तारी देगी।

प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई

उन्होंने भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यह मामला न केवल राजनैतिक विद्वेष का प्रतीक है, बल्कि न्याय व्यवस्था के खुलेआम अपमान का उदाहरण भी है। जयवर्धन सिंह ने बताया कि अशोकनगर



जिले के निवासी गजराज लोधी ने भाजपा के एक कार्यकर्ता पर मारपीट करने और मल खिलाने का आरोप लगाया था। इसका विरोध

पूरे लोधी समाज ने किया। स्थानीय निवासियों ने इस मामले को लेकर ज्ञापन भी सौंपा, लेकिन प्रशासन ने कोई गंभीरता नहीं

दिखाई।

परिवार के आत्महत्या की चेतावनी का वीडियो वायरल हुआ

जयवर्धन ने कहा कि पीड़ित गजराज लोधी और उनका परिवार बार-बार जनसुनवाई में गए, ज्ञापन सौंपे, एसपी ऑफिस का घेराव किया, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तब वे कांग्रेस नेता जीतू पटवारी से मिलने पहुंचे। उस समय जीतू पटवारी ग्वालियर दौरे पर थे। पीड़ित ने उनसे वहीं पर मुलाकात की। उस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। जिसमें पीड़ित और उसके परिवार ने अपनी पीड़ा साझा की। इतना ही नहीं, पीड़ित के भाई का

एक और वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें पुलिस कार्रवाई नहीं होने पर पूरे परिवार द्वारा आत्महत्या की चेतावनी दी गई है।

भोपाल में तालाब में मिला नाबालिग का शव : दोस्तों के साथ नहाते समय डूबा था

भोपाल/नवप्रदेश। बैरसिया थाना इलाके में रविवार को दोस्तों के साथ नहाने गए नाबालिग की डूबने से मौत हो गई। सोमवार स ुब ह एसडीआरएफ की टीम ने बच्चे के शव को तलाश कर पीएम के लिए भेजा। बैरसिया पुलिस हादसे की जांच कर रही है। इस मामले में नाबालिग के दोस्तों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। बैरसिया थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सेन ने बताया कि ग्राम ललरिया निवासी संभू खान अपने परिवार के साथ रहते हैं। रविवार की शाम गांव में बारिश हो रही थी। तभी उनका बेटा तोह्रिद (13) आस पड़ोस के बच्चों के साथ बारिश में नहाने के लिए निकला था। वह दोस्तों के साथ गांव में बने तालाब में नहाने पहुंचा। यहां नहाते वक्त वह गहरे पानी में डूब गया। बारिश के चलते किसी ने नाबालिग पर ध्यान नहीं दिया। गांव लौटे दोस्तों ने उसके संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटा, तो परिजन उसे तलाश करते हुए तालाब पर पहुंचे। जहां पर तालाब के किनारे उसकी चप्पल रखी हुई थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और एसडीआरएफ टीम तालाब पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया।

हादसे की खबर लगते ही एसडीएम और तहसीलदार भी मौके पर पहुंच गए थे। रविवार की रात दो बजे तक बच्चे का कुछ पता नहीं चला। सोमवार सुबह से ही एसडीआरएफ और पुलिस टीम ने दोबारा बच्चे की तलाश में रेस्क्यू चलाया। दोपहर में बच्चे का शव तालाब से निकाला गया।



पोषण ट्रेकर ऐप का प्रशिक्षण निचले अमले को अवश्य दें, अधिकारी करें मॉनिटरिंग : मंत्री भूरिया

एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

भोपाल/नवप्रदेश। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रदेश में पोषण ट्रेकर ऐप के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों के शारीरिक माप (ऊंचाई, वजन एवं आयु के अनुपात में पोषण स्थिति) से संबंधित आंकड़ों का सतत विश्लेषण किया जा रहा है। इन आंकड़ों के आधार पर राज्य में पोषण स्तर में सुधार के लिए त्वरित एवं क्षेत्र विशेष की आवश्यकता अनुसार कार्ययोजना बनाई जा रही है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप न केवल बच्चों के शारीरिक माप बल्कि बच्चों के कुपोषण की स्थिति में बोनापन, कम वजन की पहचान में भी सहायक है। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि निचले स्तर के अमले इस ऐप का उपयोग सही तरीके से कर रहे हैं अथवा नहीं। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, सुपरवाइजर सभी को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि निरंतर मॉनिटरिंग करने से त्रुटि को पकड़ जा सकेगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जिस तरह झाबुआ जिले में %मोटी आई% के कन्सेप्ट से कुपोषण में कमी हुई है। इसी तरह अधिकारियों को नवाचार करना चाहिए। हर बच्चे का रिकार्ड रखें, उनकी निगरानी



करें और अधिक कमजोर बच्चों को चिकित्सीय सहयोग उपलब्ध कराएं।

अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शर्मा ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप के आँकड़े और वास्तविक आँकड़ों मे फर्क इसलिए दिखता है क्योंकि हम सही मॉनिटरिंग नहीं कर रहे है। हर स्तर पर डेटा की मॉनिटरिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहाँ बालिकाओं के लिए लाइली लक्ष्मी योजना शुरू कि गई, महिलाओं को हर महीने लाइली बहना के तहत निश्चित राशि अंतरित की जा रही है, पर इस बात की मॉनिटरिंग भी होनी चाहिए कि महिलाएं इस राशि का उपयोग कर अपने बच्चों के पोषण पर ध्यान रख रही है अथवा नहीं। अपर मुख्य सचिव श्रीमती शमी ने कहा

कि यह कार्यशाला डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप एक डेटा-ड्रिवन अप्रोच के द्वारा प्रदेश के बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने और उन्हें सुपोषण की ओर ले जाने मे महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सृफिया फारूकी वली ने कहा कि कुपोषण एक बड़ी समस्या है जिसके अनेक कारण है। जिस क्षेत्र मे कुपोषण के आँकड़े बढ़े हुए है, वहां पर संबंधित अधिकारी को हर स्तर पर इसकी जाँच करना होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी को एनआरसी की पूरी जानकारी होना चाहिए कि उसमें कितने बेट खाली है, डॉक्टरस से निरंतर बात कर ऋरू करू बच्चों की जानकारी लें। कुपोषण को दूर करने लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय अत्यन्त महत्वपूर्ण है। आयुक्त श्रीमती वली ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप में सही उपयोग से कुपोषण की पहचान करना, समय पर इसकी जाँच करना और कुपोषण को कम करना संभव है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के बीच कनवेंजेन्स सुनिश्चित करके अधिक प्रभावी ढंग से काम किया जा सकता है।

इस अवसर पर संयुक्त संचालक श्रीमती स्वर्णिमा शुक्ला ने पीपीटी के माध्यम से पोषण ट्रेकर ऐप तथा कुपोषण की जिले वार स्थिति की जानकारी दी।



शुक्ल ने ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्क्युलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग की स्थापना के लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे हृदय रोगों विशेष रूप से बायपास सर्जरी की सुविधा ग्वालियर संभाग में सुलभ हो सके। इसी प्रकार इंदौर मेडिकल कॉलेज में नवजात एवं बाल चिकित्सा (पीडियाट्रिक्स/नियोनेटोलॉजी) विभाग की स्थापना की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पूर्व की निवेश नीति के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिये। बंधपत्रधारी चिकित्सकों की जिला स्तर पर कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की उपस्थिति में

अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को सेवा की महत्ता, दायित्व एवं प्रभावी संचालन के लिए प्रेरित करना और ज़िम्मेदारियों से अवगत होना आवश्यक है जिससे उनकी उपयोगिता को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एचआरपी (हाई रिस्क प्रेगनेंसी) केंद्रों पर धात्री महिलाओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही कक्ष में उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिससे उनकी देखभाल सहज, सुरक्षित और समेकित रूप में संभव हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने फार्मसी काउंसिल में पंजीयन एवं नियामक प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने के

जबरन एफिडेविट साइन करवाया

जयवर्धन सिंह ने यह भी बताया कि यह वीडियो सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया, लेकिन उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई करने की बजाय पीड़ित से जबरन फर्जी एफिडेविट साइन करवाकर कांग्रेस नेता जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि 26 जून से पहले जो खबरें स्थानीय अखबारों में छपी थीं, उनमें साफ तौर पर पीड़ित परिवार की पीड़ा और उनके आरोप प्रकाशित हुए थे। उन खबरों की प्रतियां भी कांग्रेस के पास मौजूद हैं, जिनमें जनसुनवाई की तस्वीरें भी छपी हैं। कांग्रेस का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब प्रदेश के गृह मंत्री खुद मुख्यमंत्री हैं, तब भी इस तरह के शर्मनाक कृत्य हो रहे हैं और अपराधियों को बचाया जा रहा है। जयवर्धन सिंह ने सीधे तौर पर अशोकनगर के एसपी और संबंधित थाना प्रभारी पर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

नर्सिंग संवर्ग के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र करें पूर्ण: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण और चिकित्सा सेवाओं की हुई समीक्षा

लिए नियमों में आवश्यक परिवर्तन की कार्यवाही की समीक्षा की और शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत 600 आयुष मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला अस्पतालों में फोरेंसिक विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए भी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए, जिससे कानूनी प्रकरणों एवं पोस्टमार्टम संबंधी कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आउटसोर्स मॉडल पर मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब की स्थापना के लिए दिशा-निर्देशों पर भी चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना (पीएम-अभ्रीम) अंतर्गत स्वीकृत राशि का उपयोग वर्ष 2026 तक पूर्ण रूप से सुनिश्चित किए जाने के लिए समयबद्ध योजना तैयार कर आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रदेश के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में ऑन्को सर्जरी विभाग की स्थापना के लिए कार्य योजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। जिससे प्रदेश के हर क्षेत्र में कैंसर रोगियों को उकृष्ट उपचार सुविधा मिल सके। बैठक में प्रमुख सचिव श्री सदीप यादव एवं आयुक्त श्री तरुण राठी उपस्थित रहे।

वर्षा पूर्व सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करें : कलेक्टर सिंह



समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय -सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए समस्त संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ राहत सहित सभी पूर्व तैयारियाँ शीघ्र पूर्ण की जाएँ ताकि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम अपने-अपने अनुभाग के अंतर्गत आने वाले शासकीय विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जर्जर भवनों का गहन सर्वेक्षण कर संभावित जोखिमों का आंकलन करें और आवश्यक सुधार कार्य एवं सतत निगरानी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों की समय रहते पहचान कर राहत दलों की पूर्व नियुक्ति, संसाधनों की उपलब्धता और आपदा से निपटने हेतु समन्वित योजना

